वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2021-22

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

स्वामी केशवानन्द
राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीछवाल, बीकानेर-334006 (राजस्थान)

संपादक मंडल

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

संरक्षक

प्रो. आर. पी. सिंह
कुलपति
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

संकलित एवं सम्पादित

डॉ. पी. के. यादव	**निदेशक एवं समन्वयक**
डॉ. आई. पी. सिंह	अधिष्ठाता एवं सदस्य
डॉ. पी. एस. शेखावत	निदेशक एवं सदस्य
डॉ. सुभाष चन्द्र	निदेशक एवं सदस्य
डॉ. मधु शर्मा	निदेशक एवं सदस्य
डॉ. विमला डुंकवाल	अधिष्ठाता एवं सदस्य
डॉ. वी. एस. आचार्य	सह-आचार्य एवं सदस्य
डॉ. आर. एस. राठौड़	सह-आचार्य एवं सदस्य
डॉ. अदिति माथुर	सहायक आचार्य एवं सदस्य
डॉ. सीमा त्यागी	**सहायक आचार्य एवं सदस्य सचिव**

प्रकाशक

निदेशक
निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर-334006 (राजस्थान)
ईमेल : dpm@raubikaner.org
वेब : www.raubikaner.org

प्रकाशन नं. : 2022/01

प्रो. आर. पी. सिंह
कुलपति

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मैव

फोन : 0151-2250443, 2250488 (दफ्तर)
: 0151 - 2250469, 2250529 (आवास)
फैक्स : 0151 - 2250336
ईमेल : vcrau@raubikaner.org

स्वामी केशवानन्द
राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर-334006, राजस्थान

प्राक्कथन

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, झुंझुनू, चुरू, जैसलमेर, श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों मे फैले अपने कार्य क्षेत्र में कृषि शिक्षा, अनुसंधान व प्रसार के साथ-साथ कृषि एवं कृषक कल्याण के लिए आशानुरूप कार्य कर रहा है। क्षेत्रफल की दृष्टि से देश के कुल भूभाग 32.82 लाख वर्ग किमी मे से 3.42 लाख वर्ग किमी (10.40%) के साथ राजस्थान सबसे बड़ा राज्य है जिसमें देश की कुल आबादी के 5.66% लोग निवास करते हैं।

शिक्षा ही मनुष्य को तराशकर मानव संसाधन के रूप में परिष्कृत करती है। इसी ध्येय के साथ विश्वविद्यालय में अध्यन-अध्यापन कार्य किया जा रहा है। कोविड की तीसरी लहर के संभावित खतरे से बचने के लिए कोरोना के प्रति "राजस्थान सतर्क है" के मूल मंत्र को ध्यान में रखकर सभी सावधानियों को अपनाते हुए शैक्षणिक, अनुसंधान एवं कृषि प्रसार गतिविधियाँ संचालित की जा रही है। किसानों को समृद्ध, सशक्त एवं खुशहाल बनाने की दिशा में योगदान ही विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान के पश्चिमी शुष्क जलवायु को देखते हुए ऐसी फसलें जिनको पानी की आवश्यकता कम होती है को प्रोत्साहित किये जाने के साथ-साथ जल उपयोग दक्षता को बढ़ाने की नयी तकनीक की जानकारी दी जा रही है जिससे परम्परागत तरीके के स्थान पर किसानों द्वारा कृषि की नयी तकनीकों के इस्तेमाल कर अधिक से अधिक उत्पादन अर्जित किया जा सके। इसी के साथ सिंचाई की नयी तकनीक जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर के उपयोग से होने वाले लाभों तथा अन्य उन्नत तकनीकों को विश्वविद्यालय की प्रसार शिक्षा इकाईयों व राज्य सरकार के कृषि विभाग द्वारा प्रसार के विभिन्न माध्यमों जैसे प्रदर्शनों, प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं, किसान मेलों व प्रदर्शनियों के माध्यम से किसानों तक पहुँचाया जा रहा है ताकि किसान उन्नत खेती की ओर अग्रसर हों तथा नवाचार करें।

विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथक प्रयास से इस वर्ष भी विश्वविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रैंकिंग मे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। विश्वविद्यालय में उल्लेखित वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, वैज्ञानिक समूह बैठकें भी आयोजित की गयी हैं जिनमें वैज्ञानिकों ने बेहतर कृषि कार्यनीति के निर्धारण हेतु विचार विमर्श किये।

किसानों के लिए नई तकनीकों का विकास एवं इन तकनीकों से किसानों के खेत तक पहुँचाने की दिशा में विश्वविद्यालय ने नये आयाम स्थापित करते हुये पूरे वर्ष आशानुरूप कार्य करते हुए कृषि एवं कृषक कल्याण के प्रति दृढनिश्चय के साथ संकल्पों को सिद्ध करने का सहरानीय प्रयास किया है। वर्ष भर की शिक्षा-शोध एवं किसान कल्याणकारी गतिविधियों को संकलित करते हुए वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2021-22 का प्रकाशन किया जा रहा है जिसकी सफलता के लिए मैं डॉ. पी. के. यादव व उनके साथियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

R.P.Sy

(आर. पी. सिंह)

विश्वविद्यालय कुल गीत

धोरों की धरती पर स्वप्निल हरियाली बिछ आई है
मरूधर की काशी पर हमने इक नव पौध लगाई है
सन्त केशवानन्द के आदर्शों को हृदय बसाया है
सृजन बीज बोकर हमने धरती का कर्ज चुकाया है
हमारा केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय

रेतीले धोरों से हमने गुण अंबार निकाले हैं
कल के सूखे रेत के टीबे, अब दिखते हरियाले हैं
संवर्धित की हमने किस्में, मोठ, बाजरा, ग्वार की
बेर खेजड़ी मुंगफली और किन्नू संग अनार की
जौ, कपास और चना गेहूँ का, उत्पादन बढ़ पाया है
सृजन बीज बोकर हमने धरती का कर्ज चुकाया है
हमारा केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय

आधुनिक के साथ पुरातन, प्रकृति के हम सैनिक हैं
कृषि कार्य के यंत्र बनाने की तकनीक भी मौलिक हैं
ऊँट, भेड़, मधुमक्खी, मछली, गाय , भैंस का पालन हो
उन्नत हो तकनीक हमारी, सुगम कृषक का जीवन हो
नवाचार का हुनर किसानों को हमने सिखलाया है
सृजन बीज बोकर हमने धरती का कर्ज चुकाया है
हमारा केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय

इन्दिरा भाखड़ा गंग के जल से, शस्य श्यामला हुई धरा
केशव की शिक्षा ज्योत से जन - मन में आलोक भरा
कृषि प्रबन्धन श्रेष्ठ किया और शोध ज्ञान का हुआ प्रसार
जैविक खेती, नारी शिक्षा ने भी तो पाया विस्तार
सेवा और स्वावलम्बन का नव इतिहास रचाया है
सृजन बीज बोकर हमने धरती का कर्ज चुकाया है
हमारा केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय

विषय सूचि

	सारांश	1–3
1.	विश्वविद्यालय परिचय	5–5
2.	विश्वविद्यालय प्रशासन	6–14
3.	विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियाँ	15–22
4.	शिक्षा	23–33
5.	अनुसंधान	34–37
6.	प्रसार शिक्षा	38–42
7.	विगत तीन वर्षों का प्रगति विवरण	43–44

सारांश

कृषि एवं कृषक कल्याण के प्रति समर्पित स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना 01 अगस्त, 1987 को हुई। विश्वविद्यालय कृषि शिक्षा, प्रसार एवं अनुसंधान की सतत् गतिविधियां संचालित करता है। विश्वविद्यालय के अधीन बीकानेर, हनुमानगढ़, चाँदगाठी (चूरू), मण्डावा (झुझुंनू) एवं श्रीगंगानगर में कृषि महाविद्यालय, कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, बीकानेर एवं श्रीगंगानगर में तथा सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर व साथ ही विश्वविद्यालय के अधीन बीकानेर व अन्य जिलों में 07 कृषि विज्ञान केन्द्र, 02 कृषि अनुसंधान केन्द्र तथा 01 कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र भी कार्यरत हैं।

विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों के कुल 254 पद तथा गैर शैक्षणिक के 293 पद स्वीकृत हैं। वर्ष 2021-22 के लिए विश्वविद्यालय को कुल 7,013 लाख रूपये बजट आवंटित हुआ। इसमें 4,200 लाख गैर योजना मद, 60 लाख भा.कृ.अ.प.,105 लाख ओसीएस एवं 504 लाख रूपये अनुसंधान एवं 617 लाख रूपये प्रसार मद के तहत आवंटित हुए।

शिक्षा

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकीय उपाधि परीक्षा के लिए बाह्य मूल्यांकन एवं स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा प्रणाली का पालन किया जा रहा हैं। वर्ष के दौरान कुल 862 विद्यार्थियों के स्नातक, 295 स्नातकोत्तर एवं 113 विद्यार्थियों के विद्यावाचस्पति में नामांकन थे। इस वर्ष 16 निजी कृषि महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय की सम्बद्धता प्रदान की गई। इस वर्ष विश्वविद्यालय से 631 स्नातक, 87 स्नातकोत्तर तथा 46 छात्रों ने विद्यावाचस्पति पूर्ण की है।

कृषि महाविद्यालय, बीकानेर

कृषि महाविद्यालय, बीकानेर द्वारा स्नातक कृषि एवं 9 विषयों में स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति पाठयक्रम संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष कुल 627 विद्यार्थियों ने स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों में नामांकन करवाया। कुल पंजीकृत विद्यार्थियों में 34 प्रतिशत छात्राएं थी। महाविद्यालय के 16 विद्यार्थियों का चयन कृषि अधिकारी के रूप में हुआ तथा 04 कृषि अनुसंधान अधिकारी राज्य सरकार में नियुक्त हुए है। इसके अलावा दो विद्यार्थियों को APPO के पदों पर भारत सरकार मे नियुक्ति मिली है। इस वर्ष भी उन्नत प्रदर्शन करते हुए 11 छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है।

कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

इस कृषि महाविद्यालय में वर्ष 2021-22 में शैक्षणिक स्तर के लिए जेट परीक्षा से 120 कृषि विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। इस महाविद्यालय में चार विभागों में स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति शिक्षा प्रारम्भ की गई है।

कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़

यह नया महाविद्यालय वर्तमान में कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र में चल रहा है। महाविद्यालय में सत्र 2021-22 में 60 सीटों पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा के तहत छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया गया है।

कृषि महाविद्यालय, मण्डावा (झुंझुनू)

यह महाविद्यालय वर्तमान में करणी कृपा शिक्षण संस्थान, फतेहपुर बाईपास मण्डावा में चल रहा है। महाविद्यालय में सत्र 2021-22 में 60 सीटों पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा के तहत छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया गया है।

कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी (चूरू)

वर्तमान में कृषि महाविद्यालय का संचालन विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, चाँदगोठी परिसर में चल रहा हैं। कृषि महाविद्यालय में सत्र 2021-22 में 60 सीटों पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा के तहत छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया गया है।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में इस वर्ष कुल 111 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। इनमें 92 स्नातक, 08 स्नातकोत्तर तथा 11 विद्यावाचस्पति में थे। वर्तमान में महाविद्यालय में पांच विभाग हैं, जिसमें स्नातकोत्तर कार्यक्रम चार विभाग में तथा विद्यावाचस्पति दो विभागों में संचालित हैं। इस महाविद्यालय द्वारा बाजरा, मैथी आदि से निर्मित उत्पाद बनाये जा रहे हैं जो कि एक आउटलेट द्वारा बेचे जा रहे हैं।

कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, बीकानेर

कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान की स्थापना वर्ष 2000 में हुई। इस वर्ष संस्थान में कुल 181 विद्यार्थी नामांकित थे। इनमें से 165 स्नातकोत्तर और 16 विद्यावाचस्पति में थे । संस्थान के कृषि व्यवसाय प्रबंधन के स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष छात्रों को शत प्रतिशत कृषि से जुड़े प्राइवेट संस्थानों में ग्रीष्म प्लेसमेंट मिला तथा अंतिम वर्ष के अधिकतर विद्यार्थियों को प्रभावशाली संस्थानों में अंतिम प्लेसमेंट हुआ।

कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, श्रीगंगानगर

दिनांक 08.02.2021 को आयोजित शैक्षणिक परिषद की 55वीं बैठक की कार्यवाही के अनुसार, यह निर्णय लिया गया कि श्रीगंगानगर में कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान को स्व-वित्त के आधार पर शुरू किया जाना है और कार्यप्रणाली तय करने के लिए एक समिति का गठन किया गया था। इसके बाद 15.06.2021 को हुई प्रबंधन मंडल की 105 वीं बैठक में इसको स्वीकार किया गया। वर्ष 2021-22 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

मानव संसाधन विकास निदेशालय

निदेशालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत रोजगारोउन्मुखी जैविक कृषि एवं जल बचत खेती के त्रैमासिक अवधि के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा मधु मक्खी पालन, फलों व सब्जियों से तैयार मूल्य संवर्धित उत्पाद, जैव नियंत्रण, संरक्षित खेती, कुक्कुट पालन तथा मशरूम की खेती आदि पाठयक्रम तैयार हो गये हैं जिन्हें शीघ्र ही प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित हैं ।

छात्र कल्याण निदेशालय

निदेशालय द्वारा 07 से 12 जनवरी, 2021 को वाद-विवाद प्रतियोगिता, 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125 वीं वर्षगांठ, 06 मार्च को अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस, 22 मार्च को विश्व जल दिवस तथा 14 सितम्बर को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस मनाया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अधिक से अधिक संख्या में सम्मलित होकर भाग लिया।

अनुसंधान निदेशालय

निदेशालय द्वारा वर्ष 2021-22 में उत्पादन एवं सुरक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए 15 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित हैं। इसके अलावा दीर्घ एवं लम्बी अवधि की 09 अनुसंधान परियोजनाएं, राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत चलाई जा रही हैं। निदेशालय द्वारा 1234.05 क्विटंल प्रजनक बीज, 1882.09 क्विटंल सत्य चिन्हित तथा 461.87 क्विटंल प्रमाणिक बीज का उत्पादन किया गया हैं। निदेशालय द्वारा कुल 3578 क्विटंल बीज का उत्पादन किया गया तथा 09 एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण आयोजित किये गये।

प्रसार शिक्षा निदेशालय

प्रसार शिक्षा के अंतर्गत आने वाले 7 कृषि विज्ञान केन्द्रों के फार्म पर इस वर्ष कुल 2221 क्विं. बीजोत्पादन किया गया। वर्ष के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 233 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुए। इनमें से 208 किसानों एवं कृषक महिलाओं के लिए करवाए गए। इनमें कुल 6091 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वर्ष 683 हैक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों पर 1904 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाए गए। यूनिवर्सिटी सोशल रिसपोंसिबिलिटी के तहत गोद लिए कावनी गांव में बीस किसानों के घरों पर न्यूट्री गार्डन विकसित किए गए।

भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय

निदेशालय द्वारा संचालित नर्सरी के माध्यम से कोरोना महामारी के बावजूद 11 लाख रुपये की आय अर्जित की गई। इसके साथ ही साथ विश्वविद्यालय की समस्त इकाईयों में सौंदर्यकरण का विशेष अभियान चलाया गया है।

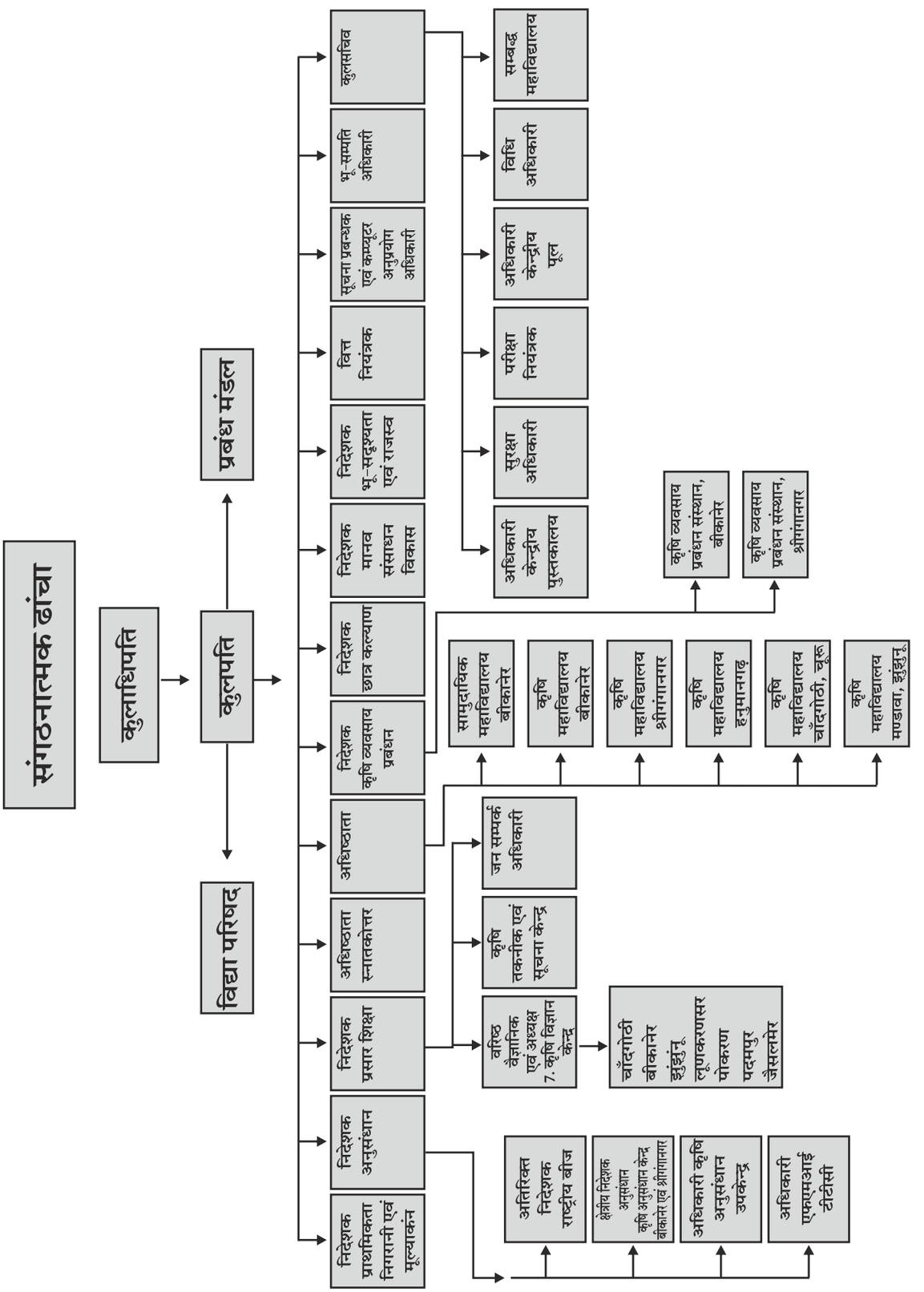
संगठनात्मक ढांचा
कुलाधिपति
कुलपति
प्रबंध मंडल
विद्या परिषद
निदेशक प्राथमिकता निगरानी एवं मूल्यांकन
निदेशक अनुसंधान
निदेशक प्रसार शिक्षा
अधिष्ठाता स्नातकोत्तर
अधिष्ठाता
निदेशक कृषि व्यवसाय प्रबंधन
निदेशक छात्र कल्याण
निदेशक मानव संसाधन विकास
निदेशक भू-सदृश्यता एवं राजस्व
वित्त नियंत्रक
सूचना प्रबन्धक एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग अधिकारी
भू-सम्पत्ति अधिकारी
कुलसचिव
अतिरिक्त निदेशक राष्ट्रीय बीज
क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर एवं श्रीगंगानगर
अधिकारी कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र
अधिकारी एफएमआई टीटीसी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष 7. कृषि विज्ञान केन्द्र
कृषि तकनीक एवं सूचना केन्द्र
जन सम्पर्क अधिकारी
चाँदगोठी बीकानेर
झुंझुनूं
लूणकरणसर
पोकरण
पदमपुर
जैसलमेर
सामुदायिक महाविद्यालय बीकानेर
कृषि महाविद्यालय बीकानेर
कृषि महाविद्यालय श्रीगंगानगर
कृषि महाविद्यालय हनुमानगढ़
कृषि महाविद्यालय चाँदगोठी, चूरू
कृषि महाविद्यालय मण्डावा, झुंझुनू
कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, बीकानेर
कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, श्रीगंगानगर
अधिकारी केन्द्रीय पुस्तकालय
सुरक्षा अधिकारी
परीक्षा नियंत्रक
अधिकारी केन्द्रीय भूल
विधि अधिकारी
सम्बद्ध महाविद्यालय

1. विश्वविद्यालय परिचय

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय भारत मे राजस्थान राज्य के बीकानेर शहर में स्थित है। यह पूर्व में सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर का हिस्सा था जो बाद में 01 अगस्त, 1987 में एक अलग इकाई के रूप में स्थापित हुआ। सन् 2010 में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के रूप में विभाजित हो गया। सन् 2013 में पुनः स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, 3 विश्वविद्यालय क्रमशः स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर और एस.के.एन. कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर में विभाजित कर दिया गया।

विश्वविद्यालय राजस्थान राज्य के द्वारा चार्टर्ड है तथा महामहिम राज्यपाल विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति विश्वविद्यालय के समग्र प्रबंध के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। कुलपति को प्रबंध मण्डल सहायता करता है, जिसकी मुख्य जिम्मेदारी कुलपति के कार्यक्रमों और कार्यवाही का अनुमोदन करना है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय तीन प्रमुख संकायों क्रमशः कृषि, गृह विज्ञान तथा कृषि व्यवसाय प्रबंधन में शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय में तीनों संकायों के महाविद्यालय क्रमशः कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, बीकानेर तथा एक कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर में संचालित है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष तीन कृषि महाविद्यालय चाँदगोठी (चूरू), मण्डावा (झुझुंनू) तथा हनुमानगढ़ में इस विश्वविद्यालय के अर्न्तगत खोले गये हैं जो कि इस वर्ष (2021) से संचालित हो गये हैं। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष स्ववित्तपोषित कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, श्रीगंगानगर में खोला गया है। इस वर्ष खोले गये सभी महाविद्यालय सुचारू रूप से शिक्षण कार्य कर रहे हैं। विश्वविद्यालय में 7 कृषि विज्ञान केन्द्र, 2 कृषि अनुसंधान केन्द्र तथा 1 कृषि अनुसंधान उप-केन्द्र भी हैं।

मानव संसाधन विकास निदेशालय, प्राथमिकता, निगरानी और मूल्यांकन निदेशालय और स्नातकोत्तर शिक्षा के कार्यालय बीकानेर विश्वविद्यालय परिसर में कार्य कर रहे हैं। छात्र-कल्याण गतिविधियों की सुविधा के लिए, छात्र कल्याण निदेशालय एवं एक अलग खेल बोर्ड भी बीकानेर में कार्यरत् है। इसके अलावा, प्रशासनिक विंग, भू-संपत्ति कार्यालय, राष्ट्रीय बीज परियोजना, उच्च तकनीक रोपण नर्सरी, स्टेडियम, गेस्ट हाऊस, किसान घर, छात्र और छात्राओं के हॉस्टल, व्यायामशाला, कुलपति बंगला, एक कृषि अनुसंधान केन्द्र, आवासीय मकान, कृषि विज्ञान केन्द्र आदि विश्वविद्यालय मुख्यालय का अभिन्न हिस्सा हैं। इनके अलावा परिसर में विदेशों से पढ़ने आए छात्रों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय हॉस्टल की भी सुविधा है।

2. विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय का प्रशासन सर्वोच्च बोर्ड यानी प्रबन्ध मण्डल द्वारा नियंत्रित होता है जो कि केन्द्रीय नीति बनाने वाली शीर्ष इकाई है। इसमें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महामहिम राज्यपाल के समय निर्देशन में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति की अध्यक्षता में 18 सदस्यों की कमेटी बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट है। अन्य महत्वपूर्ण इकाईयों में शैक्षणिक परिषद् है। विभागों के प्रमुख और विश्वविद्यालय के अधिकारियों का ब्यौरा भी इस अध्याय में सम्मिलित है।

2.1 विश्वविद्यालय के अधिकारी

कुलपति	प्रो. आर.पी. सिंह	23.08.2019 से लगातार
कुलसचिव	श्री कपूर शंकर मान, आर.ए.एस.	01.11.2019 से लगातार
वित्त नियंत्रक	श्री बी.एल. सर्वा श्री कपूर शंकर मान श्री पवन कुमार कस्वाँ	19.11.2016 से 31.03.2021 01.04.2021 से 15.04.2021 16.04.2021 से लगातार
भू-सम्पति अधिकारी	श्री संयज गोलवाल	14.10.2020 से लगातार
निदेशक अनुसंधान	डॉ. पी.एस. शेखावत	28.01.2020 से लगातार
निदेशक प्रसार शिक्षा	डॉ. एस.के. शर्मा डॉ. सुभाष चन्द्र	01.07.2017 से 30.06.2021 01.07.2021 से लगातार
निदेशक मानव संसाधन विकास निदेशालय	डॉ. एस.एल. गोदारा	28.01.2020 से लगातार
निदेशक छात्र कल्याण निदेशालय	डॉ. वीर सिंह	01.08.2018 से लगातार
निदेशक कृषि व्यवसाय एवं प्रबन्धन संस्थान	डॉ. (श्रीमती) मधु शर्मा	28.01.2020 से लगातार
नोडल अधिकारी, कृषि व्यवसाय एवं प्रबन्धन संस्थान, श्रीगंगानगर	डॉ. विवेक व्यास	13.08.2021 से लगातार
निदेशक प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय	डॉ. मीनाक्षी चौधरी डॉ. पी. के. यादव	10.09.2020 से 13.08.2021 13.08.2021 से लगातार
निदेशक भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय	डॉ. सुभाष चन्द्र डॉ. दाता राम कुम्हार	31.07.2018 से 13.08.2021 13.08.2021 से लगातार
अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा	डा. आर.एस. यादव डॉ. विमला डुंकवाल डॉ. दिपाली धवन	28.01.2020 से 31.07.2021 01.08.2021 से 13.08.2021 13.08.2021 से लगातार
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बीकानेर	डॉ. आई.पी. सिंह	01.07.2017 से लगातार
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर	डॉ. राजेश शर्मा डॉ. आर.पी.एस. चौहान डॉ. विजय प्रकाश	30.06.2020 से 30.06.2021 01.07.2021 से 12.08.2021 13.08.2021 से लगातार

अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़	डॉ. एन.एस. दाहिया	13.08.2021 से लगातार
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मण्डावा – झुंझुनू	डॉ. एस.एम. कुमावत	13.08.2021 से लगातार
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी – चूरू	डॉ. ए.आर. नकवी	13.08.2021 से लगातार
अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय	डॉ. (श्रीमती) विमला डुंकवाल	28.01.2020 से लगातार
परीक्षा नियंत्रक	डॉ. योगेश शर्मा	28.01.2020 से लगातार
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. चेतन राजपुरोहित	

2.2 प्रबन्ध मण्डल

I. पदेन अध्यक्ष	प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति		23.08.2019 से लगातार
II. नामनिर्देशित सदस्य :-			
कुलपति द्वारा संकायाध्यक्षों, संयुक्त संकायाध्यक्षों और निदेशकों में से नामनिर्देशित दो व्यक्ति	1.	डॉ. (श्रीमती) विमला डुंकवाल अधिष्ठाता, गृह विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	23.06.2020 से 22.06.2022
	2.	डॉ. पी.एस. शेखावत, निदेशक अनुसंधान, स्वाकेराकृवि, बीकानेर	23.06.2020 से 22.06.2022
कुलपति द्वारा नामनिर्देशित विश्वविद्यालय के दो आचार्य	1.	डॉ. राजेश शर्मा, आचार्य (कृषि अर्थशास्त्र) एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर डॉ. एन.एस. दाहिया, आचार्य (पशुपालन) एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बीकानेर	23.06.2020 से 22.06.2021 23.06.2021 से 22.06.2022
	2.	डॉ. पी.के. यादव, आचार्य (उद्यानिकी), कृषि महाविद्यालय, बीकानेर	23.06.2020 से 22.06.2022
कुलपति द्वारा आचार्यो, संकायाध्यक्षों, सयुक्त संकायाध्यक्षों और निदेशकों से भिन्न अध्यापकों में से नामनिर्देशित दो व्यक्ति	1.	डॉ. मंजू कंवर राठौड़, सहायक आचार्य, गृह विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़ सह-आचार्य, खजूर अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर	23.06.2020 से 22.06.2021 23.06.2021 से 22.06.2022
	2.	डॉ. वी.एस. आचार्य, सह-आचार्य, कृषि महाविद्यालय, बीकानेर डॉ. अमिता शर्मा, सहायक आचार्य, कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, बीकानेर	29.08.2019 से 28.08.2021 07.09.2021 से 06.09.2022

कुलाधिपति द्वारा नामनिर्देशित दो विख्यात शिक्षाविद्	1.	डॉ. राम कुमार दवें आचार्य, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	21.07.2020 से 20.07.2021
	2	डॉ. आनन्द पालीवाल, अधिष्ठाता, मोहल लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर	21.07.2020 से 20.07.2021
राज्य सरकार द्वारा नामनिर्देशित एक ऐसा विख्यात वैज्ञानिक जिसने कृषि में विशिष्टता प्राप्त की हो		डॉ. बजरंग ककंरालिया, विभागाध्यक्ष, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	05.03.2019 से 04.03.2020 पुनःमनोनित 12.03.2020 से 11.03.2021
		डॉ. जी.एन. परिहार, पूर्व निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	05.05.2021 से 04.05.2022
राज्य सरकार द्वारा नामनिर्देशित एक प्रगतिशील किसान		श्री अशोक चौधरी, संगरिया - हनुमानगढ़	07.06.2019 से 06.06.2020 पुनःमनोनित 07.12.2020 से 06.12.2021
अध्यक्ष द्वारा नामनिर्देशित राज्य विधान-सभा का एक सदस्य		श्री विनोद कुमार, माननीय विधायक (हनुमानगढ़) श्री जगदीश चन्द्र, माननीय विधायक (सादुलशहर)	11.03.2019 से 10.03.2020 पुनःमनोनित 02.06.2020 से 01.06.2021 18.10.2021 से 17.10.2022
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का एक नामनिर्देशिती		डॉ. राम केवल सिंह, सहायक महानिदेशक (वाणिज्यिक फसल), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली डॉ. सीमा जग्गी, सहायक महानिदेशक (एच0आर0डी0), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली	03.10.2017 से 17.06.2021 18.06.2021 से 17.06.2022
III. पदेन सदस्य :-			
सचिव, कृषि उत्पादन विभाग, राजस्थान सरकार			
सचिव, पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार			
सचिव, शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार			
सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार			
निदेशक कृषि, राजस्थान सरकार			
आमंत्रित		श्री बी.एल. सर्वा श्री पवन कुमार कस्वाँ	19.11.2016 से 31.03.2021 16.04.2021 से लगातार
सदस्य सचिव		श्री कपूर शंकर मान, आर0ए0एस0	01.11.2019 से लगातार

2.3 विद्या परिषद्

क्र.स.	नाम व पद	
1.	प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति एवं अध्यक्ष, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर।	
2.	निदेशक अनुसंधान, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर।	डॉ. पी.एस. शेखावत
3.	निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर।	डॉ. एस.के. शर्मा डॉ. सुभाष चन्द्र
4.	निदेशक मानव संसाधन विकास निदेशालय, बीकानेर।	डॉ. एस.एल. गोदारा
6.	निदेशक छात्र कल्याण निदेशालय, बीकानेर	डॉ. वीर सिंह
7.	निदेशक कृषि व्यवसाय एवं प्रबन्धन संस्थान, बीकानेर	डॉ. (श्रीमती) मधु शर्मा
8.	निदेशक प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय, बीकानेर	डॉ. मीनाक्षी चौधरी डॉ. पी.के. यादव
9.	निदेशक भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय, बीकानेर।	डॉ. सुभाष चन्द्र डॉ. दाता राम कुम्हार
10.	अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा अध्ययन, बीकानेर।	डॉ. आर.एस. यादव डॉ. विमला डुंकवाल डॉ. दिपाली धवन
11.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बीकानेर।	डॉ. आई.पी. सिंह
12.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर।	डॉ. राजेश शर्मा डॉ. आर.पी.एस. चौहान डॉ. विजय प्रकाश आर्य
13.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़।	डॉ. एन.एस. दाहिया
14.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मण्डावा-झुंझुनू।	डॉ. एस.एम. कुमावत
15.	अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी-चूरू ।	डॉ. ए.आर. नकवी
16.	अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर।	डॉ. (श्रीमती) विमला डुंकवाल
17.	परीक्षा नियंत्रक, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर।	डॉ. योगेश शर्मा
	कृषि संकाय	
18.	डॉ. एस.आर. भूनिया आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान विभाग	30.06.2018 से 29.06.2021 पुनःमनोनित 06.08.2021 से 30.11.2023
19.	डॉ. ए. के. शर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन व अनुवांशिकी विभाग	01.08.2019 से 31.07.2022
20.	डॉ. आर.के. वर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा विभाग	01.08.2019 से 31.07.2022

21.	विभागाध्यक्ष, कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग डॉ. एस.आर. यादव, आचार्य डॉ. योगेश शर्मा, आचार्य	 27.01.2018 से 26.01.2021 06.08.2021 से 05.08.2024
22.	डॉ. दाता राम कुम्हार आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान विभाग	30.06.2018 से 29.06.2021
23.	डॉ. (श्रीमती) मधु शर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कृषि शास्त्र विभाग	19.08.2019 से 18.08.2022
24.	डा. एन.एस. दाहिया आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, पशुधन उत्पादन व प्रबधंन विभाग	18.08.2015 से 17.08.2018 पुनःमनोनित 04.09.2018 से 03.09.2021
25.	रिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग	12.12.2014 से रिक्त
26.	रिक्त आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग	26.08.2016 से रिक्त
27.	डॉ. एच. एल. देशवाल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग	26.06.2020 से 25.06.2023
28.	ई. जे.के. गौड़ सह. आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	26.06.2020 से 25.06.2023
29.	डा. ए. के. शर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव तकनीकी विभाग का कार्यभार	28.07.2020 से आगामी आदेशों तक
30.	डॉ. पी.के. यादव आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान विभाग	06.08.2021 से 05.08.2024
31.	रिक्त विभागाध्यक्ष, पादप क्रिया विज्ञान	13.09.2013 से रिक्त
32.	रिक्त विभागाध्यक्ष, सूत्र कृमि विज्ञान	13.09.2013 से रिक्त
	गृह विज्ञान संकाय	
33.	डॉ. (श्रीमती) विमला डुंकवाल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, खाद्य एवं पोषण विभाग	01.08.2019 से 31.07.2022
34.	डॉ. (श्रीमती) नीना सरीन आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान प्रसार एवं संचार प्रबंधन विभाग	07.11.2020 से 06.11.2023
35.	डॉ. (श्रीमती) जया पालीवाल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग	26.12.2020 से 30.09.2021
36.	वस्त्र एवं परिधन अधिकल्पन विभाग	07.08.2015 से रिक्त
37.	पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग	रिक्त
38.	डॉ. (श्रीमती) सुनिता लड्ढ़ा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग	 26.12.2020 से 31.03.2021

कृषि व्यवसाय प्रबंधन संकाय		
39.	डॉ. (श्रीमती) मधु शर्मा, निदेशक, कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन संस्थान	28.01.2020 से लगातार
कुलपति द्वारा चक्रानुक्रम से नामनिर्देशित, विस्तार कार्यक्रम के दो प्रतिनिधि, जो सह-आचार्य के पद से नीचे न हो **{**परिनियम **1987** की धारा **8(1)**(ज)**}**		
40.	डॉ. हनुमान राम, आचार्य, कृषि प्रसार शिक्षा विभाग, कृ.वि.के. श्रीगंगानगर	04.06.2020 से 03.06.2022
41.	डॉ. नीना सरीन, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान प्रसार एवं संचार प्रबंधन विभाग	04.06.2020 से 03.06.2022
दो ऐसे सह-आचार्य और चार ऐसे सहायक आचार्य, जिन्हें डिग्री या स्नातकोत्तर कक्षाओं के अध्यापन का दस वर्ष का अनुभव हो, जिसमें अनुसंधान कार्य या विस्तार कार्यक्रम संचालित करने या उसका मार्गदर्शन करने का अनुभव भी सम्मिलित है, जो उन्हीं में से चुने जायेगें **{**परिनियम **1987** की धारा **8(1)**(झ)**}**		
42.	डॉ. वी.एस. आचार्य, सह-आचार्य, कृषि महाविद्यालय, बीकानेर	29.11.2019 से 28.11.2021
43.	डॉ. रणजीत सिंह, सह-आचार्य, कृषि विज्ञान केन्द्र, झूंझुनू	29.11.2019 से 28.11.2021
44.	डॉ. (श्रीमती) सीमा चावला, सहायक आचार्य, कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर	29.11.2019 से 28.11.2021
45.	रिक्त	25.01.2018
46.	रिक्त	27.04.2018
कुलपति द्वारा अध्यापकों या विश्वविद्यालय के कर्मचारियों से भिन्न कृषि के अध्ययन में विशेष उपलब्धियां रखने वाले व्यक्तियों में से नामनिर्देशित दो व्यक्ति **{**परिनियम **1987** की धारा **8(1)**(ञ)**}**		
47.	प्रो. अनिल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली	27.05.2020 से 26.05.2022
48.	प्रो. अजय कुमार गहलोत, पूर्व कुलपति, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर	04.06.2020 से 03.06.2022
49.	श्री बी.एल. सर्वा श्री पवन कुमार कस्वाँ	आमंत्रित सदस्य
50.	श्री कपूर शंकर मान, कुलसचिव आर.ए.एस.	सदस्य सचिव

2.4 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की संख्या

2.4.1 गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की संख्या

योजना मद	गैर शैक्षणिक				
	अधिकारी	मंत्रालयिक	तकनीकी	सहायक	कुल
गैर योजना	6	89	44	97	236
राज्य योजना	0	2	0	4	6
आई.सी.ए.आर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र	0	4	13	8	25
75:25 प्रतिशत	0	1	18	7	26
कुल	**6**	**96**	**75**	**116**	**293**

श्रेणीवार कर्मचारी

श्रेणी	गैर शैक्षणिक		
	पुरूष	महिला	कुल
गैर योजना	221	15	236
राज्य योजना	6	0	6
आई.सी.ए.आर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र	25	0	25
75:25 प्रतिशत	25	1	26
कुल	**277**	**16**	**293**

2.4.2 शैक्षणिक कर्मचारियों की संख्या

योजना मद	शिक्षक/वैज्ञानिक			
	प्राध्यापक	सह प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक	कुल
गैर योजना	0	3	49	52
राज्य योजना	0	1	5	6
आई.सी.ए.आर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र	0	3	18	21
अन्य संस्थाएं	0	0	2	2
कुल	**0**	**7**	**74**	**81**

शैक्षणिक कर्मचारी श्रेणीवार

श्रेणी	शिक्षक/वैज्ञानिक		कुल
	पुरूष	महिला	
सामान्य	33	13	46
अनुसूचित जाति	11	2	13
अनुसूचित जनजाति	7	0	7
अन्य पिछड़ा वर्ग	15	0	15
कुल	**66**	**15**	**81**

वैज्ञानिकों/शिक्षकों के स्वीकृत रिक्त एवं भरे हुए पद

पद	स्वीकृत	रिक्त	भरे		
			पुरूष	महिला	कुल
विषय विशेषज्ञ	39	24	12	3	15
सहायक प्राध्यापक	141	67	59	15	74
कार्यक्रम समन्वयक	7	1	6	0	6
सह प्राध्यापक	51	44	7	0	7
प्राध्यापक	16	16	0	0	0
कुल	**254**	**152**	**84**	**18**	**102**

2.5.1 प्राप्त धन कोष **(राशि लाखों में)**

मद	(अप्रेल 2020 से मार्च 2021)		(अप्रेल 2021 से दिसम्बर 2021)	
	आय	आय प्रतिशत	आय	आय प्रतिशत
आंतरिक राजस्व	765.89	8.59	641.01	9.14
राज्य निधी (गैर योजना)	5400.00	60.60	4200.00	59.89
राज्य निधी (राज्य योजना)	591.00	6.63	885.22	12.62
आई सी ए आर कृषि शिक्षा	161.45	1.81	60.05	0.86
अनुसंधान	982.25	11.02	504.26	7.19
प्रसार शिक्षा	856.67	9.61	617.45	8.80
ओ सी एस	155.22	1.74	105.37	1.50
कुल	**8912.48**	**100.00**	**7013.36**	**100.00**

प्राप्त धन कोष श्रेणी वार (अप्रैल 2020 - मार्च 2021 तक) **(राशि लाखों में)**

मद	वेतन व भत्ते	आवर्ती	गैर आवर्ती	सिविल कार्य	कुल
राज्य निधी (गैर योजना)	5400.00	0.00	0.00	0.00	5400.00
राज्य निधी (राज्य योजना)	374.25	216.75	0.00	0.00	591.00
आई सी ए आर	1408.14	486.11	56.08	50.04	2000.37
ओ सी एस	0.00	155.22	0.00	0.00	155.22
कुल	**7182.39**	**858.08**	**56.08**	**50.04**	**8146.59**

2.5.2 व्यय विवरण **(राशि लाखों में)**

मद	(अप्रेल 2020 से मार्च 2021)		अप्रेल 2021 से दिसम्बर 2021)	
राज्य निधी (गैर योजना)	5072.60	67.32	3304.42	72.96
राज्य निधी (राज्य योजना)	580.72	7.71	296.34	6.55
आई सी ए आर	1765.64	23.43	901.88	19.91
ओ सी एस	115.68	1.54	26.25	0.58
कुल	**7534.64**	**100.00**	**4528.89**	**100.00**

मदों के अनुरूप व्यय (अप्रेल 2020 - मार्च 2021) **(राशि लाखों में)**

स्त्रोत	राज्य निधी (गैर योजना)	राज्य निधी (राज्य योजना)	आई.सी.ए.आर.	अन्य	कुल
शासन	1710.25	97.27	0	0	1807.52
शिक्षा	1969.44	84.95	161.45	0.00	2054.39
अनुसंधान	1071.85	398.50	847.52	115.68	1470.35
प्रसार	257.07	0.00	756.67	0.00	1470.35
पुस्तकालय	17.14	0.00	0.00	0.00	17.14
छात्र गतिविधियां	11.85	0.00	0.00	0.00	11.85
सिविल	35.00	0.00	0.00	0.00	35.00
कुल	**5072.60**	**580.72**	**1765.64**	**115.68**	**7534.64**

मदों के अनुरूप व्यय (अप्रैल 2021 - दिसम्बर 2021 तक) **(राशि लाखों में)**

मद	वेतन व भत्ते	आवर्ती	गैर आवर्ती	सिविल कार्य	कुल
राज्य निधी (गैर योजना)	2965.62	303.64	0.00	35.16	3304.42
राज्य निधी (राज्य योजना)	190.50	1.53	0.00	104.31	296.34
आई सी ए आर	790.82	111.06	0.00	0.00	901.88
ओ सी एस	0.00	26.25	0.00	0.00	26.25
कुल	**3946.94**	**442.48**	**0.00**	**139.47**	**4528.89**

3. विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियाँ

तीन नवीन कृषि महाविद्यालयों की स्वीकृति

तीन नवीन कृषि महाविद्यालय की स्वीकृति माननीय मुख्यमंत्री जी अशोक गहलोत द्वारा बजट घोषणा में वर्ष 2021-22 के बिन्दु संख्या 83 तथा 318 के तहत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के अधीन 03 नये कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़, चाँदगोठी (चूरू) तथा मण्डावा (झुझुनू) में खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की, साथ ही साथ प्रत्येक महाविद्यालय में 14 शैक्षणिक पद जिसमें प्रोफेसर, सह-प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा 16 गैर शैक्षणिक पदों की अनुमति दी गई है। इस वर्ष से ही इन महाविद्यालयों में जेट के द्वारा बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के प्रवेश दिये गये हैं तथा कक्षायें नियमित रूप से चल रही हैं, प्रत्येक महाविद्यालय को इस वर्ष 60 सीटों की क्षमता द्वारा चलाया जा रहा है। सभी महाविद्यालयों में माननीय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा अस्थाई अधिष्ठाताओं की नियुक्ति की जा चुकी है। उपरोक्त स्वीकृत पदों की भर्ती के लिये विश्वविद्यालय में प्रशासनिक कार्य किये जा रहे हैं।

उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था के लिए गृह विज्ञान महाविद्यालय को मिला आईएसओ प्रमाण पत्र

गृह विज्ञान महाविद्यालय को उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था के लिए आइएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय की किसी इकाई को पिछले डेढ साल में मिला छठा आइएसओ प्रमाण पत्र है। कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने 3 जनवरी को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल को यह प्रमाण पत्र सौंपा। इससे पहले कृषि यंत्र एवं मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र को मैनेंजमेंट एवं एनवायरमेंट मैनेजमेंट के लिए दो प्रमाण पत्र मिले हैं। वहीं राष्ट्रीय बीज परियोजना, कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान और कृषि अनुसंधान केन्द्र श्रीगंगानगर को भी आइएसओ मिल चुके हैं। गृह विज्ञान में स्नातक, अधिस्नातक और पीएचडी में स्तरीय शिक्षा के लिए यह प्रमाण पत्र मिला है। यह 31 दिसम्बर 2020 से 30 दिसम्बर 2023 तक वैध रहेगा।

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्री भंवर सिंह भाटी ने किया 'कृषि पंचांग' का विमोचन

उच्च शिक्षा मंत्री श्री भंवरसिंह भाटी ने विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'कृषि पंचांग 2021' का विमोचन 8 जनवरी को किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में स्वामी केशवांनद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की विशिष्ट पहचान है। कृषि शिक्षा, प्रसार एवं अनुसंधान क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा पिछले 33 वर्षो से उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा गत डेढ़ वर्ष में किए गए कार्यो के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री ने अनुसंधान निदेशालय के दस वर्षो के अनुसंधान पर आधारित पुस्तक 'ए डिकेड ऑफ रिसर्च', कृषि अनुसंधान केन्द्र श्रीगंगानगर द्वारा प्रकाशित 'कृषि शोध उपलब्धियां (1987-2020)' का विमोचन किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का अवलोकन किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता 'इंडिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स' में दर्ज

सबसे लम्बी वर्चुअल वाद-विवाद प्रतियोगिता में राजस्थान की ओर से सर्वाधिक प्रतिनिधित्व के लिए विश्वविद्यालय को 'इंडिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स' में शामिल किया गया है। नयारा और महावीर इंटरनेशनल की ओर से युवा सशक्तीकरण एवं शैक्षणिक विकास के उद्देश्य से चल रहे कार्यक्रम 'ज्ञानोदय' के तहत राष्ट्रीय स्तर पर वर्चुअल वाद-विवाद प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता 'स्मार्टफोन का बढ़ता क्रेज युवाओं के लिए वरदान या अभिशाप' विषय पर हुई। राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए यह प्रतियोगिता 27 से 30 दिसम्बर तक आयोजित हुई। इसमें स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 127 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिनमें सर्वाधिक 107 विद्यार्थी गृह विज्ञान महाविद्यालय के थे। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने लगातार चौबीस घंटे से अधिक समय तक विषय के पक्ष एवं विपक्ष में

अपनी बात रखी। इसके लिए इंडिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में विश्वविद्यालय का नाम शामिल किया गया है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल ने 23 जनवरी को यह प्रमाण पत्र कुलपति को सौंपा।

मशरूम उत्पादन इकाई का उद्घाटन

कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने 27 जनवरी को कृषि महाविद्यालय के पादप व्याधि विज्ञान विभाग द्वारा स्थापित मशरूम उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। कुलपति ने कहा कि मशरूम की खेती किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है तथा छोटे किसानों एवं गृहणियों के लिए उपयुक्त व्यवसाय साबित होने लगा है। इसमें पोषक तत्वों की अधिकता है, जो कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बेहद लाभदायक होती है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय द्वारा मशरूम इकाई स्थापित किए जाने से किसानों को मशरूम के स्पॉन (बीज) भी आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। इकाई में ढींगरी मशरूम की फ्लोरिडा, आयस्टर, पिंक आयस्टर और सजोरकाजू आयस्टर किस्मों का उत्पादन लिया जा रहा है।

किसानों को इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेयर वितरित

अखिल भारतीय मूंगफली अनुसंधान परियोजना की अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत 1 फरवरी को कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान चार गांवों के अनुसूचित जाति के 26 मूंगफली उत्पादक किसानों को मूंगफली में कीट रोग प्रबंधन के लिए रसायन एवं इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेयर वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह थे। उन्होंने कृषि रसायनों के छिड़काव के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया तथा कहा कि किसान इस योजना का लाभ उठाएं।

गुसांईसर में मूल्य संवर्धित उत्पादों से संबंधित प्रशिक्षण आयोजित

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रेस्पोंसबिलिटी के तहत गोद लिए गए गुसांईसर गांव में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के माध्यम से मूल्य संवर्धित उत्पादों का प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 फरवरी को सम्पन्न हुआ। दस दिवसीय प्रशिक्षण में 30 महिलाओं ने भाग लिया। इन्हें आंवला, तुम्बा और ग्वारपाठा के मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

कावनी में आयोजित दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने यूनिवर्सिटी सोशल रेस्पोंसबिलिटी के तहत गोद लिए गए गांव कावनी में आयोजित दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन किया। यह प्रशिक्षण 15 फरवरी को शुरू हुआ। इसमें 30 महिलाओं ने भागीदारी निभाई। प्रशिक्षण के दौरान आंवला, बेर और ग्वारपाठा आदि के मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाना सिखाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह थे। उन्होंने मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और विपणन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

शुष्क क्षेत्र में लो-टनल तकनीक से सब्जी उत्पादन प्रशिक्षण

कृषि अनुसंधान केंद्र के सुनियोजित खेती विकास केन्द्र और उद्यान विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत 'शुष्क क्षेत्र में लो-टनल तकनीक से सब्जी उत्पादन' विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण 19 फरवरी को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में एमएससी और पीएचडी के 44 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह थे। उन्होंने कहा कि सब्जियों में मुख्य रूप से लो-टनल तकनीक बेहद प्रभावी सिद्ध हुई है। किसान इस तकनीक को अपनाकर अत्यधिक मुनाफा कमा रहे हैं।

कृषि मेले में विश्वविद्यालय की ओर से लगाई गई स्टॉल

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर द्वारा 22 से 26 फरवरी तक आयोजित कृषि मेले में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि

विश्वविद्यालय द्वारा स्टाल लगाई गई। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा तैयार बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों, नए अनुसंधान तथा तकनीकियों, फॉर्म मशीनरी सेंटर की कार्यप्रणाली सहित विश्वविद्यालय द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण से संबंधित कार्यों को प्रदर्शित किया गया। इसका उद्घाटन कृषि मंत्री श्री लालचंद कटारिया एवं तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने किया।

कृषि महाविद्यालय श्रीगंगानगर के कक्षा भवन का शिलान्यास

कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर के कक्षा भवन का शिलान्यास कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने 24 फरवरी को किया। इस दौरान कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष डॉ. आई पी. सिंह तथा कृषि महाविद्यालय श्रीगंगानगर के अधिष्ठाता डॉ. राजेश शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कृषि अनुसंधान केन्द्र की गतिविधियों की समीक्षा की।

उद्यमिता विकास के लिए मशरुम उत्पादन तकनीकी विषयक प्रशिक्षण

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा "उद्यमिता विकास के लिए मशरूम उत्पादन तकनीक" विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण 04 मार्च 2021 को प्रारम्भ हुआ। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत आयोजित प्रशिक्षण के उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह थे। उन्होंने कहा कि भारत की जलवायु मशरूम उत्पादन के लिए अनुकूल है। इसमें अनेक औषधीय गुण हैं।

कृषि प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय को मिला दूसरा स्थान

जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र गुडामालानी द्वारा 06 मार्च 2021 को आयोजित किसान मेले की कृषि प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय की प्रदर्शनी को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की कार्यप्रणाली का इस दौरान प्रदर्शन किया गया। वहीं गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा तैयार मूल्य संवर्धित उत्पाद भी रखे गए। यह पुरस्कार केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने प्रदान किया।

स्थाई कृषि और पर्यावरण संरक्षण हेतु अक्षय ऊर्जा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी विभाग तथा कृषि व्यवसाय प्रबंध संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 11 मार्च को हुआ समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो आर पी सिंह ने ऊर्जा की भावी आवश्यकताओं के मद्देनजर पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु नियंत्रण हेतु अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों जैसे सौर, पवन, बायोमास आदि के उपयोग को बढ़ावा देने का आवाहन किया और पर्यावरण संरक्षण व्याख्यानों के संकलन की पुस्तिका का विमोचन किया।

नाबार्ड : सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गृह विज्ञान महाविद्यालय, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में 24 मार्च 2021 को वस्त्र विज्ञान व परिधान विषय पर नाबार्ड के सौजन्य से आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण के समापन समारोह पर माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने कहा कि आत्म निर्भर बनने की दिशा में सिलाई एक महत्वपूर्ण व्यवसाय साबित हो सकता है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं द्वारा बनाए गए कवर, कुशन कवर, पाउच व अन्य उत्पाद सराहनीय थे। समापन समारोह में 30 महिला प्रशिक्षणार्थीयों ने कुलपति महोदय से संवाद किया एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय गायत्रीकुंज, शांतिकुंज हरिद्वार के मध्य एमओयू

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय गायत्रीकुंज, शांतिकुंज हरिद्वार के मध्य दिनांक

05 अप्रेल, 2021 को शिक्षा एवं शोध के लिये एमओयू किया गया। यह 3 वर्षीय एमओयू देव संस्कृति विश्वविद्यालय गायत्री कुंज की ओर से प्रोवाइस चांसलर श्री चिन्मय पंडया एवं प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा हस्ताक्षरित है।

खाखरा मशीन का उद्घाटन

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज बीकानेर में स्थित ''मरू-शक्ति खाद्य प्रसंस्करण यूनिट'' में माननीय कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह ने 29 जून को खाखरा मशीन का उद्घाटन किया। इस मशीन की दो इकाइयां है, एक इकाई में आटे की लोई को दबाया जाता है व दूसरी इकाई में गोल पतली रोटी का आकार ले चुकी लोई की सिकाई होती है। यह मशीन 1 घंटे में 300 विभिन्न स्वाद व तरीके के खाकरे को तैयार कर देती है। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी एस शेखावत, डॉ. विमला डुंकवाल व विशेषाधिकारी श्री विपिन लड्ढा उपस्थित रहे।

कृषि अनुसंधान केंद्र बीकानेर- सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला बाजरा परियोजना केंद्र

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना जोधपुर द्वारा आयोजित वर्चुअल वर्कशॉप में कृषि अनुसंधान केंद्र, बीकानेर पर संचालित बाजरा परियोजना केंद्र को वर्ष 2020-21 के लिए ''बेस्ट परफोर्मिंग सेंटर'' घोषित किया गया।

वेबसाइट रिलांच : बेहतर साइबर सुरक्षा मानकों के साथ साथ पहले से ज्यादा आकर्षक

माननीय कुलपति महोदय ने कॉन्फ्रेंस हॉल में 06 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट रिलांच की। नई वेबसाइट में साइबर सुरक्षा मानकों को बेहतर किया गया है। साथ ही वेबसाइट की डिजाइन को भी पहले से ज्यादा आकर्षक और खूबसूरत बनाया गया है। वेबसाईट में दूरस्थ शिक्षा माध्यम के विद्यार्थियों के लिए प्रारम्भ किये गए पाठ्यक्रम आदि की जानकारी अपलोड की गई है।

गर्म और शुष्क क्षेत्र की स्थायी फसल प्रणाली में दलहन की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में गर्म और शुष्क क्षेत्र की स्थायी फसल प्रणाली में दलहन की भूमिका पर 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। कुल 34 देशों के 3340 प्रतिभागीयों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। वर्चुअल कार्यक्रम में संयोजक डॉ. एन. के. शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (बीज), अध्यक्ष डॉ. आर. सी. अग्रवाल, राष्ट्रीय निदेशक (एनएएचईपी) और डीडीजी (कृषि शिक्षा) आईसीएआर और मुख्य अतिथि डॉ. एस के मल्होत्रा, आयुक्त कृषि, भारत सरकार, नई दिल्ली उपस्थित रहे।

कुलपति, प्रो.आर.पी. सिंह अवार्ड से सम्मानित

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रो.आर.पी. सिंह ने ''कृषि और संबद्ध विज्ञान में अभिनव और वर्तमान प्रगति'' पर दिनांक 19 जुलाई को आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानीय अतिथि के रूप में संबोधित किया। इसी अवसर पर फाउंडेशन की कार्यकारी समिति द्वारा कृषि प्रसार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यो हेतु माननीय कुलपति महोदय को आउट्स्टेंडिंग अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

खजूर मूल्य संवर्धित उत्पाद विषय पर प्रशिक्षण

अखिल भारतीय शुष्क क्षेत्र फल समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत 29 जुलाई को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय स्थित खजूर अनुसंधान केंद्र पर 28 से 29 जुलाई, को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण

कार्यक्रम के समापन पर माननीय कुलपति द्वारा 20 आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को सर्टिफिकेट वितरित किए गए। समापन कार्यक्रम के दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. आर. यादव, डॉ. आर. एस. राठौड़ एवं डॉ. ए.आर. नकवी उपस्थित रहे।

कृषि विश्वविद्यालय में रूफटॉप सोलर सिस्टम का निर्माण

माननीय कुलपति महोदय ने दिनांक 07 अगस्त को विश्वविद्यालय के 202 किलोवाट के ''ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर पीवी सिस्टम'' का उद्घाटन किया गया। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा रेस्को मॉडल (रिन्यूएबल एनर्जी सर्विस कंपनी, आरएससीओ) सोलर प्लांट को हीरो रूफटोप एनर्जी प्राइवेट कंपनी दिल्ली द्वारा लगाया गया है। परिसर में लगे प्लांट में 202 किलोवाट के 621 सोलर पैनल लगाए गए हैं। इस संयंत्र से प्रतिवर्ष लगभग 2.65 लाख यूनिट विद्युत ऊर्जा की बचत होगी।

खजूर ऑफशूट उत्पादक एवं विक्रेता कृषक समन्वय में प्रशिक्षण व बैठक

विश्वविद्यालय में स्थित म्यूजियम में दिनांक 12 अगस्त को सहायक निदेशक उद्यान बीकानेर के द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने 100 से भी अधिक किसानों को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त निदेशक उद्यान जयपुर, डॉ . आर.पी. कुमावत, डॉ आर. के. नैनावत उप निदेशक उद्यान बीकानेर, डॉ. पी.एस कुशवाहा प्रभारी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खजूर फॉर्म जैसलमेर, अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, निदेशक प्रसार डॉ. सुभाष चंद्र, स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय के प्रभारी डॉ. दीपाली धवन, डॉ. आर. एस. शेखावत उपस्थित रहे।

कृषि यंत्र व मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

उत्तरी-क्षेत्र कृषि-यंत्र व मशीनरी परीक्षण व प्रशिक्षण संस्थान, भारत सरकार के निदेशक डॉ मुकेश जैन ने दिनांक 18 अगस्त को माननीय कुलपति प्रो. आर पी सिंह से भेंट की और ''कृषि यंत्र व मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र'' का निरीक्षण कर केंद्र की गतिविधियों, मशीनों का परीक्षण, प्रतिवेदन, भारतीय मानक संस्थान के मानकों की अनुपालना, मशीनों के रखरखाव, मरम्मत संबंधी प्रशिक्षण व इंजिन परीक्षण प्रयोगशाला की जानकारी ली। केंद्र के प्रभारी एवं विशेषाधिकारी इंजी. विपिन लड्ढा ने प्रजेंटेशन देकर केंद्र की टेस्टिंग फीस, बजट प्रोविजन, एप्लीकेशन फोरमैट, एप्लिकेशन स्टेटस, टेस्टिंग प्रोसीजर, ऑब्जर्वेशंस, फील्ड टेस्ट, ऑनलाइन एप्लीकेशन व फीस जमा करने जैसी सुविधा की जानकारी दी। 780 निर्माताओं की विजिट, 1756 आवेदनों की प्राप्ति के साथ 2020-21 में 1.51 करोड़ का राजस्व अर्जित किया।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पर सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अंतर्गत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के परिसर में स्थित योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र पर 25 अगस्त से 31 अगस्त तक सात-दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

केंद्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र, बीकानेर में प्रशिक्षण कार्यक्रम

केंद्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र पर ऊँटनी के दूध के मुल्य संवर्धित उत्पाद पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का 01 सितंबर को शुभारंभ किया गया । उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह एवं मुख्य अतिथि डॉ. ए. साहू निदेशक राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक डॉ.एन. के. शर्मा, राष्ट्रीय बीज परियोजना, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक (बीज) उपस्थित रहे।

'अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 'कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालय में 17 सितंबर को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज हितधारकों का सम्मेलन' के उद्घाटन कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय के हाल में 100 किसानों व 71 छात्राओं की उपस्थिति में समस्त अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने देखा। माननीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 'अंतरराष्ट्रीय पोषक वर्ष 2023' कार्यक्रम का शुभारंभ किया । इस वर्चुअल कार्यक्रम के उपरांत विश्वविद्यालय के कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री मोडाराम जी मेघवाल जिला प्रमुख बीकानेर, विशेष अतिथि श्रीमती सुशीला कंवर राजपुरोहित, महापौर, बीकानेर, डॉ. सतीश के. गर्ग कुलपति पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो.आर.पी. सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया।

कृषि विज्ञान परिभाषा कोश निर्माण बैठक

विश्वविद्यालय बीकानेर में 'कृषि विज्ञान परिभाषा कोश निर्माण' की बैठक 20 से 24 सितंबर तक आयोजित की गई। यह पाँच दिवसीय बैठक वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा आयोजित की गई। बैठक में आयोजक शैलेंद्र सिंह, सहा. वैज्ञानिक अधिकारी, शब्दावली आयोग नई दिल्ली एवं विशेषज्ञ डॉ. पी.के. सिंह, डॉ. आर.के. धीमान, डॉ. आर. एस. राठौड, डॉ. वी. एस. आचार्य, डॉ. नरेंद्र कुमार पारीक, डॉ. प्रमेन्द्र सिंह, डॉ. देवाराम, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. विक्रम योगी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति महोदय को प्रशासनिक शब्दावली पुस्तक भेंट की गई।

सीरी और एसकेआरएयू के बीच एमओयू

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर एवं केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) पिलानी के मध्य शिक्षा एवं शोध अध्ययन के लिये 22 सितंबर को समझौता ज्ञापन पर कुलपति महोदय प्रो. आर. पी. सिंह और निदेशक डॉ पी. सी. पंचारिया सीएसआईआर-सीरी ने हस्ताक्षर किए।

गोभी वर्गीय सब्जी में कुशल जल प्रबंधन पर परियोजना का उद्घाटन

कुलपति महोदय प्रो आर.पी. सिंह द्वारा पश्चिमी राजस्थान के शुष्क क्षेत्र की स्थितियों में दबाव सिंचाई प्रणाली के माध्यम से ''कोल सब्जी में कुशल जल प्रबंधन'' पर परियोजना का 26 सितंबर को उद्घाटन किया गया। परियोजना RKVY - RAFTAR (राजस्थान सरकार) द्वारा प्रायोजित है। इस तीन वर्षीय परियोजना के तहत फूल गोभी की 20 किस्में, पत्ता गोभी की 10 से ज्यादा और गांठ गोभी की 5 से ज्यादा किस्मों पर अनुसंधान प्रयोग किया जाएगा। इस अवसर पर परियोजना के प्रभारी डॉ. पी. के. यादव विभागाध्यक्ष बागवानी, डॉ. पी. एस. शेखावत, अनुसंधान निदेशक, डॉ. आई. पी. सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डॉ. आर. के. नारोलिया, डॉ. परमेंद्र सिंह चौहान उपस्थित रहे ।

जलवायु सहिष्णु कृषि तकनीकों एवं पद्धतियों का व्यापक अभियान

'जलवायु सहिष्णु कृषि तकनीकों एवं पद्धतियों का व्यापक अभियान' कार्यक्रम 28 सितंबर को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय के हाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण 140 किसानों की उपस्थिति में अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों व कर्मचारीयों ने देखा। इस वर्चुअल कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया।

35 वें स्थापना दिवस पर वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के 35वां स्थापना दिवस पर वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह, मुख्य अतिथि माननीय कृषि मंत्री श्री लालचंद जी कटारिया, विशिष्ट अतिथि डॉ. अंबरीश शरण विद्यार्थी, माननीय कुलपति बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय एवं अमूल (AMUL) आनंद गुजरात के प्रबंध निदेशक, डॉ. आर. एस. सोढ़ी ने संबोधित किया। मंत्री महोदय द्वारा कृषि महाविद्यालय के दो कक्षा भवनों का उद्घाटन किया गया । इसके अलावा विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का भी विमोचन किया गया।

कृषक प्रशिक्षण एवं आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित

अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, कृषि अनुसंधान केंद्र बीकानेर के तत्वावधान में 14 नवंबर को जनजातीय उपयोजना के अंतर्गत उदयपुर के झाड़ोल फ्लासिया पंचायत समिति के तुर्गढ़ गाँव में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण टीम द्वारा जनजातीय क्षेत्र के 50 किसानों को बैटरी चलित स्प्रेअर का वितरण किया गया।

कृषि मौसम विज्ञान इकाई का उद्घाटन एवं कार्यशाला

कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर में 20 नवम्बर को कृषि मौसम विज्ञान इकाई का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. जी.आर. चिंतला अध्यक्ष नाबार्ड एवं माननीय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह के अलावा विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुशीला चिंतला, डॉ. के. वेंकटेश्वर राव, श्री जयदीप श्रीवास्तव, निदेशक प्रसार डॉ. सुभाष चंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर प्रभारी डॉ. दीपक चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

त्रैमासिक प्रमाण पत्र पाठयक्रम (दूरस्थ शिक्षा माध्यम) विवरण एवं निर्देशिका का विमोचन

माननीय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा जल बचत खेती, फलों एवं सब्जियों का तुड़ाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन, जैविक कृषि, मुर्गी पालन (दूरस्थ शिक्षा माध्यम) पाठ्यक्रम के विवरण एवं निर्देशिका का विमोचन किया गया।

विश्व मृदा दिवस पर कावनी गाँव में कार्यक्रम आयोजित

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर शनिवार 05 दिसंबर को कृषि विश्वविद्यालय द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत गोद लिए कावनी गांव में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कावनी गांव की 20 प्रगतिशील कास्तकार महिलाओं को न्यूट्री किचन गार्डन योजना के तहत मौसमी सब्जियों के बीज भी वितरित किये।

केवीके, पोकरण में न्यूट्री गार्डन पर कार्यशाला

कृषि विज्ञान केंद्र पोकरण में 07 दिसंबर को 'न्यूट्री गार्डन' विषय पर महिलाओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रो. आर. पी. सिंह सहित निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र थे। कार्यशाला के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनी को न्यूट्री गार्डन किट का वितरण एवं संस्थान परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया ।

किसान दिवस पर किसान सम्मान कार्यक्रम

विश्वविद्यालय में देश के पूर्व पीएम स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 119वीं जयंती के उपलक्ष्य में 23 दिसम्बर, 2021 को किसान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो.आर.पी.सिंह कुलपति ने नवाचार करने वाले कृषकों एवं महिलाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ. सुभाष चन्द्र, विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिष्ठाता सहित ओ एस डी श्री विपिन लड्ढा मौजूद रहे।

कुलपति समन्वय समिति की बैठक

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र की अध्यक्षता में कुलपति समन्वय समिति की बैठक 27 दिसम्बर, 2021 आयोजित

की गई जिसमें माननीय कुलपति महोदय ने सहभागिता निभाई। बैठक में स्कूल शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री परसादी लाल मीणा, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह यादव, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता राज्य मंत्री श्री अशोक चांदना, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा श्री पवन कुमार गोयल, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के शासन सचिव श्री नारायण लाल मीणा, श्रम एवं कौशल विभाग के सचिव श्री भानु प्रकाश येतुरु, सहित प्रदेश के सभी राज्य पोषित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं राजभवन के अधिकारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम (NAHEP)

दिनांक	गतिविधियाँ	समय (दिनों में)	लाभार्थी
5 जुलाई, 2021	कृषि में सूक्ष्मजीवों की भूमिका पर राष्ट्रीय वेबिनार	1 दिवसीय	2509
17 जुलाई, 2021	शुष्क गर्म क्षेत्र की सतत फसल प्रणाली में दलहनी फसलों की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	1 दिवसीय	3393
24 जुलाई, 2021	शुष्क क्षेत्र में सतत पशुधन उत्पादन के लिए चारा प्रबंधन	1 दिवसीय	1676
18 अगस्त, 2021	खरीफ फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन	1 दिवसीय	67
25-31 अगस्त, 2021	COVID-19 पर परिदृश्य के तहत प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा	7 दिवसीय	39
1-7 सितम्बर, 2021	ग्रामीण युवाओं में उद्यमिता विकास के लिए ऊंटनी के दूध का प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन	7 दिवसीय	46
17 सितम्बर, 2021	अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 पर मंथन	1 दिवसीय	220
17 सितम्बर, 2021	अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के तहत पोषाहार बागवानी अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रम	1 दिवसीय	223
21-27 सितम्बर, 2021	कृषि पत्रकारिता में केरियर के अवसर	7 दिवसीय	--
24-30 सितम्बर, 2021	शुष्क क्षेत्र में उद्यमिता विकास के लिए छोटे जुगाली करने वाले पशुओं की संभावना	7 दिवसीय	56
23 अक्टूबर, 2021	आण्विक अभिलक्षणन के लिए उपकरण और तकनीक पर व्याख्यान	1 दिवसीय	40
26-30 अक्टूबर, 2021	एमबीए (कृषि व्यवसाय) के छात्रों के लिए प्लेसमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम	5 दिवसीय	65
15 नवम्बर, 2021	कृषि में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विचार मंथन	1 दिवसीय	135
25 नवम्बर, 2021	बीज क्षेत्र में उद्यमिता के अवसरों पर विचार मंथन सत्र	1 दिवसीय	145
27 नवम्बर, 2021	शुष्क क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में कम उपयोग वाली झाड़ियों की भूमिका पर विचार मंथन	1 दिवसीय	40
1 दिसम्बर, 2021	सरसों की उच्च बीज उपज के लिए फसल प्रबंधन और पौध संरक्षण उपाय	1 दिवसीय	50
3-8 दिसम्बर, 2021	दूध के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण युवाओं में उद्यमिता कौशल का विकास	7 दिवसीय	30
16-22 दिसम्बर, 2021	कुक्कुट पालन के माध्यम से ग्रामीण युवाओं में उद्यमिता विकास	7 दिवसीय	46
16 दिसम्बर, 2021	शुष्क क्षेत्र में स्वदेशी पशुपालन के माध्यम से उद्यमिता विकास के अवसर	1 दिवसीय	50
23-24 दिसम्बर, 2021	कृषि व्यवसाय में सूर्य उर्जा संसाधन आधारित अवसर	2 दिवसीय	50
27-30 दिसम्बर, 2021	MS Excel और Power BI का उपयोग करके व्यवसाय के लिए डेटा संचालित समाधान	4 दिवसीय	45
30 दिसम्बर, 2021	रबी मौसम के दौरान बीज उत्पादन फसलों में फसल प्रबंधन और पौध संरक्षण उपाय	1 दिवसीय	44

4. शिक्षा

विश्वविद्यालय स्नातकीय उपाधि परीक्षा के लिए वाह्य मूल्यांकन एवं स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा प्रणाली व्यवस्था का पालन कर रहा है। इस वर्ष के दौरान कुल 631 विद्यार्थियों ने कृषि व गृह विज्ञान संकायों में स्नातक, 87 छात्रों ने स्नातकोत्तर एवं 46 विद्यार्थियों ने विद्यावाचस्पति पूर्ण की हैं। उल्लेखित वर्ष में कुल 16 महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय ने संबद्धता प्रदान की।

क्र.स.	सम्बद्धता प्राप्त निजी कृषि महाविद्यालय का नाम
1.	सरस्वती शिक्षण सदन कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
2.	सुरेन्द्र कौर मेमोरियल कृषि महाविद्यालय, पदमपुर, श्रीगंगानगर
3.	स्वामी श्री प्राणनाथ परनामी कृषि महाविद्यालय, पदमपुर, श्रीगंगानगर
4.	महाराजा अग्रसेन कृषि महाविद्यालय, सूरतगढ़, श्रीगंगानगर
5.	गुरमीत सिंह घनश्याम दास कन्या कृषि महाविद्यालय, पदमपुर
6.	महावीर इन्टरनेशनल एग्रीकल्चर कॉलेज, न्यू घड़साना मण्डी, श्रीगंगानगर
7.	चौधरी परमाराम गोदारा कृषि महाविद्यालय, भादरा, हनुमानगढ़
8.	परमानन्द डिग्री कॉलेज, गजसिंहपुर, श्रीगंगानगर
9.	स्वामी केशवानन्द ग्रामोत्थान विद्यापीठ महाविद्यालय, संगरिया, हनुमानगढ़
10.	श्री सरदार भगतसिंह कृषि महाविद्यालय, गोलूवाला, पीलीबंगा, हनुमानगढ़
11.	चौधरी नन्दराम मेमोरियल कृषि महाविद्यालय, गोगामेड़ी, हनुमानगढ़
12.	बी. आर. कृषि महाविद्यालय, साहवा, चूरू
13.	एसपीएन कृषि महाविद्यालय, गोलूवाला, पीलीबंगा, हनुमानगढ़
14.	चौधरी गिरधारी राम ढाका शिक्षा समिति, हनुमानगढ़ टाऊन, हनुमानगढ
15.	एपेक्स शिक्षण समिति, चाईयां, हनुमानगढ़
16.	श्रीश्याम कृषि महाविद्यालय, भादरा

4.1 विश्वविद्यालय छात्र सांख्यिकी

छात्रों की विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश क्षमता

कार्यक्रम	कृषि महाविद्यालय					कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान		सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
	बीकानेर	श्रीगंगानगर	मण्डावा (झुझुंनू)	चाँदगोठी (चूरू)	हनुमानगढ़	बीकानेर	श्रीगंगानगर	
स्नातक	120	120	60	60	60	–	–	40
स्नातकोत्तर	46	5	–	–	–	60	60	14
विद्यावाचस्पति	29	5	–	–	–	03	–	06

वर्ष के दौरान छात्र संख्या :

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के अधीन कुल 1270 विद्यार्थी हैं जिसमें कृषि संकाय में 972, कृषि व्यवसाय प्रबंधन में 187 तथा सामुदायिक विज्ञान में 111 छात्र-छात्राऐं अध्ययनरत है।

कार्यक्रम	कृषि महाविद्यालय										कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान				सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	
	बीकानेर		श्रीगंगानगर		मण्डावा (झुझुंनू)		चाँदगोठी (चूरू)		हनुमानगढ़		बीकानेर		श्रीगंगानगर			
	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं
स्नातक	293	141	124	39	34	24	46	14	43	12	00	00	00	00	08	84
स्नातकोत्तर	66	45	04	01	00	00	00	00	00	00	132	33	05	01	02	06
विद्यावाचस्पति	53	29	03	01	00	00	00	00	00	00	13	03	00	00	00	11
कुल योग	412	215	131	41	34	24	46	14	43	12	145	36	05	01	10	101

छात्रों की संख्या श्रेणीवार

श्रेणी	छात्र				छात्राएं				कुल योग
	यू.जी.	पी.जी.	पी.एच.डी.	योग	यू.जी.	पी.जी.	पी.एच.डी.	योग	
सामान्य + EWS	94	82	14	190	87	34	21	142	332
अनुसूचित जाति	102	24	10	136	40	07	05	52	188
अनुसूचित जन जाति	41	09	03	53	10	06	01	17	70
अन्य पिछड़ा वर्ग	302	92	41	435	175	39	15	229	664
दिव्यांग	10	02	01	13	01	00	02	03	16
कुल	**549**	**209**	**69**	**827**	**313**	**86**	**44**	**443**	**1270**

छात्रों की भौगोलिक भिन्नता

कार्यक्रम	रिपोर्टिंग वर्ष में प्रवेशित छात्र				कुल नामांकन			
	राज्य से	अन्य राज्य	अन्य देश	कुल	राज्य से	अन्य राज्य	अन्य देश	कुल
स्नातक	410	01	00	411	852	10	00	862
स्नातकोत्तर	74	33	00	107	181	113	01	295
विद्यावाचस्पति	25	02	00	27	93	20	00	113
कुल योग	**509**	**36**	**00**	**545**	**1126**	**143**	**01**	**1270**

स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति पूर्ण करने वाले कुल छात्र/छात्रा संख्या

क्र.सं.	कार्यक्रम	कृषि	सामुदायिक विज्ञान	कृषि व्यवसाय प्रबंध	योग
1.	स्नातक	618	13	--	631
2.	स्नातकोत्तर	64	04	19	87
3.	विद्यावाचस्पति	32	10	04	46
	कुल योग	**714**	**27**	**23**	**764**

ग्रामीण जागरूकता कार्य अनुभव (RAWE) तथा शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले छात्रों की संख्या

क्र.सं.	महाविद्यालय/संस्थान	छात्र संख्या
1	कृषि महाविद्यालय	
	(RAWE)	98
	Plant Clinic	98
	Industrial Attachment	98
2	सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय (RAWE)	14
3	कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, शैक्षणिक भ्रमण	46

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की संख्या

क्र.सं.	महाविद्यालय/संस्थान	छात्र संख्या
1.	कृषि महाविद्यालय	11
2.	गृह विज्ञान महाविद्यालय	02
3.	कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान	01

छात्रावास सुविधाएं 2021 -22

छात्रावास	छात्रावासों की संख्या	क्षमता	कुल छात्र
छात्र			
स्नातक	04	221	206
स्नातकोत्तर	03	139	50
विद्यावाचस्पति	01	15	17
अन्तर्राष्ट्रीय छात्रावास	01	10	0
छात्राएं			
स्नातक, स्नातकोत्तर, विद्यावाचस्पति	04	251	118
योग	13	636	391

उपलब्धियॉ एवं गतिविधियॉः

कृषि महाविद्यालय, बीकानेर

अ. रोजगार

- कृषि महाविद्यालय के 04 छात्रों का चयन कृषि शोध अधिकारी के रूप में राज्य के कृषि विभाग में हुआ है।
- साथ ही साथ 16 छात्रों का चयन राज्य के कृषि विभाग में कृषि अधिकारी के रूप में हुआ।
- इनके अतिरिक्त 02 छात्रों ने भारत सरकार में APPO के रूप में चयन पाया है।
- इस वर्ष भी महाविद्यालय के छात्रों द्वारा अति सुन्दर प्रदर्शन करते हुए 11 छात्रों द्वारा राष्ट्रीय पात्रता प्रतियोगिता (NET) उत्तीर्ण की है।

11वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ : कृषि महाविद्यालय बीकानेर, कृषि अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र व पूल कार्यालय के कर्मचारियों एवं महाविद्यालय विद्यार्थियों ने 11 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष में दिनाँक 25 जनवरी 2021 को 11.00 बजे महाविद्यालय प्रांगण में मतदाता शपथ ली। यह दिवस 25 जनवरी,1950 को ''भारतीय निर्वाचन आयोग'' की स्थापना के उपलक्ष में मनाया जाता है। इस शपथ में प्रत्येक भारतीय मतदाता नागरिक को भारतीय लोकतन्त्र में पूर्ण आस्था रखते हुए देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं एवं मर्यादाओं को बनाए रखते हुए निर्भीक, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन तथा जाति, धर्म, समुदाय, वर्ग व भाषा के परे मतदान करने का निश्चय किया।

छात्रों की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाः स्नातक पाठयक्रम के प्रथम वर्ष (बैकलॉग), द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों की प्रथम सेमेस्टर की फाइनल लिखित परीक्षा दिनांक 21 जनवरी 2021 को शुरू हुई तथा स्नातकोत्तर पाठयक्रम की लिखित व प्रयोगिक परीक्षाएं 22 जनवरी, 2021 से शुरू हुई । यूजी एंड पीजी परीक्षा क्रमशः 13 फरवरी, 2021 और 01 फरवरी, 2021 को समाप्त हुई।

मशरुम उत्पादन इकाई का शुभारंभः माननीय कुलपति, प्रो. आर. पी. सिंह ने 27 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय में नव स्थापित मशरुम उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया । इस अवसर पर डॉ. आई. पी. सिंह, अधिष्ठाता, डॉ. पी.एस. शेखावत, निदेशक अनुसंधान, एसकेआरएयू, डॉ. विमला डुंकवाल, अधिष्ठाता, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. मधु शर्मा, निदेशक, आईएबीएम, डॉ. वीर सिंह, डीएसडब्ल्यू, विभागाध्यक्ष, फेकल्टी के सदस्य, कर्मचारी और छात्र भी मौजूद थे। इस इकाई द्वारा किसानों को मशरुम स्पॉन उपलब्ध करवाये जाएंगे तथा विद्यार्थियों को मशरुम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा ।

फंडामैंटलस ऑफ हॉर्टिकल्चर मैन्युअल का विमोचनः 27 जनवरी, 2021 को कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के उद्यान विज्ञान

विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. पी. के. यादव एवं सहायक आचार्य डॉ. आर. के. नारोलिया द्वारा लिखित ''फंडामैंटलस ऑफ हार्टिकल्चर'' मैन्युअल का विमोचन किया गया। इसका विमोचन स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने कुलपति सचिवालय मे किया। इस मैन्युअल को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की पाँचवी अधिष्ठाता समिति द्वारा अनुमोदित पाठयक्रम की सिफारिस अनुसार तैयार किया गया जो स्नातक पाठयक्रम के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।

बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आयोजित: कॉलेज के मीटिंग हॉल में 1 फरवरी 2021 को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आयोजित की गई । डॉ. आई.पी.सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महविद्यालय, बीकानेर ने बैठक की अध्यक्षता की और दो बाहरी सदस्यों डॉ. अरुण कुमार सिंह और डॉ. आर.एस. सेंगर ने आभासी मंच के माध्यम से बैठक में भाग लिया । कॉलेज के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष और दो नामित आंतरिक सदस्य, डॉ. सीमा त्यागी और डॉ.वी.एस.आचार्य भी बैठक में शामिल हुए । बैठक में कई प्रस्तावों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिस पर सर्वसम्मति व्यक्त की गई। बॉस बैठक में प्रस्तावों को मंजूरी के लिए विश्वविद्यालय की अगली अकादमिक परिषद की बैठक में अनुमोदन स्वरूप रखा जाएगा।

पादप उत्तक संवर्धन तकनीक पर सात दिवसीय प्रशिक्षण: विश्वविद्यालय के पादप प्रोद्योगिकी केंद्र द्वारा पादप उत्तक संवर्धन तकनीक पर सात दिवसीय प्रशिक्षण 23 फरवरी 2021 को प्रारम्भ किया गया। यह प्रशिक्षण दिनाँक 1 मार्च 2021 को समाप्त हुआ। इस प्रशिक्षण में नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक्स रिसोर्सेस, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुभाष चंद्र एवं डॉ. संध्या गुप्ता ने उत्तक संवर्धन की विभिन्न विधाओं एवं आज के दौर में उत्तक संवर्धन तकनीक की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के तहत प्रतिदिन चार व्याख्यान आयोजित किए गए जिसमें डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व निदेशक, कृषि अनुसंधान निदेशालय, बीकानेर, डॉ. वाई. सूदर्शन, पूर्व निदेशक, कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, बीकानेर, जयनारायन व्यास विश्वविद्यालय के डॉ. खेताराम, केंद्रीय शुष्क वागवानी संस्थान के डॉ. चेतराम सहित अनेक विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए।

महाविद्यालय में पौधरोपण अभियान: 28 जुलाई 2021 को महाविद्यालय के उद्यान विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. आर. पी. सिंह ने महाविद्यालय में जलाशय के समीप पौधरोपण कर किया। उन्होंने कहा कि हमें हर वर्ष कम से कम एक पौधा वर्षात के मौसम में लगाना चाहिए और साल भर पौधे की वृद्धि के लिए उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने पौधरोपण और कॉलेज के सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए महाविद्यालय के कर्मचारियों की सराहना की। अधिष्ठाता डॉ.आई.पी.सिंह ने भी पौधरोपण किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. पी. के. यादव, डॉ. मधु शर्मा, निदेशक, आईएबीएम, डॉ. आर. के. नरोलिया एवं कॉलेज के विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य शैक्षणिक और शैक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

सत्र 2021-22 के लिए प्रवेश : स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति पाठयक्रम मे सत्र 2021-22 के लिए नवीन प्रवेश लगभग सम्पन्न कर लिए गए है। महाविद्यालय में सभी पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर द्वारा आयोजित जेट, प्री.पी.जी. परीक्षा के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आवंटन के आधार पर किए गए। इसी प्रकार सभी पाठयक्रमों मे पूर्व विद्यार्थियों का प्रवेश शैक्षणिक कलेंडर के अनुसार सम्पन्न किए गए है।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा सम्पन्न : स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति पाठयक्रम की द्वितीय सेमेस्टर 2020-21 की लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षाएं अक्टूबर, 2021 माह मे सम्पन्न की गई। ये परीक्षाएं राजस्थान सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार ऑफलाइन मोड द्वारा आयोजित की गई ।

कृषि शिक्षा दिवस: 03 दिसम्बर 2021 को कृषि महाविद्यालय बीकानेर में कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय प्रो. आर.पी. सिंह थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई. पी. सिंह ने की । माननीय कुलपति प्रो. सिंह ने बताया की कृषि शिक्षा दिवस का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागृत करना है। कोरोना काल में सभी उद्योग धंधों पर विपरित प्रभाव पड़ा लेकिन कृषि

ने देश की अर्थव्यवस्था को संभाले रखा तथा युवा कृषि क्षेत्र में रूचि भी ले रहे हैं यह बेहतर भविष्य के सुखद संकेत है ।

आवासीय छात्रावास एवं कक्षा भवन का शिलान्यास : विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित आवासीय स्नातकोत्तर छात्रावास एवं कृषि महाविद्यालय बीकानेर परिसर में 02 कक्षा भवन का शिलान्यास राजस्थान सरकार के आपदा प्रबंधन एवं राहत, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, सांख्यिकी नीति योजना विभाग मंत्री माननीय श्री गोविंदराम मेघवाल द्वारा 16 दिसंबर 2021 को किया गया। इस शिलान्यास कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई. पी. सिंह, विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता एवं निदेशक तथा विभिन्न विभागो के विभागाध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे। आवासीय पीजी छात्रावास और कक्षा भवन का निर्माण क्रमशः आईसीएआर नई दिल्ली और राजस्थान सरकार की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है ।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की गतिविधियाँ :

- राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम प्रभारी, डॉ. राजीव कुमार नारोलिया ने एमपीयूएटी उदयपुर के ईटीआई केंद्र द्वारा आयोजित सात दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में 05 से 11 जनवरी 2021 तक भाग लिया ।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक अजय मीणा ने दिनाँक 23 जनवरी 2021 को ''पर्यावरण चेतना'' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन एमपीयूएटी उदयपुर के पर्यावरण प्रकोष्ठ व पर्यावरण यूथ फॉरम द्वारा आयोजित किया गया ।
- राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा 4 मार्च 2021 को स्वच्छता कार्यक्रम विश्व विद्यालय खेल परिसर में किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थीयों का सहयोग भी इस दौरान रहा । यह स्वच्छता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के निदेशक, छात्र कल्याण के मार्गदर्शन में किया गया। माननीय कुलपति महोदय ने भी इस कार्यक्रम का अवलोकन किया ।
- कृषि महाविद्यालय एवं ग्रह विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर द्वारा 22 मार्च 2021 को छात्र कल्याण निदेशक, स्वाकेराकृवि, बीकानेर के तत्वाधान में कृषि महाविद्यालय बीकानेर के सभागार में विश्व जल दिवस मनाया गया। मुख्य राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. वीर सिंह ने दैनिक जीवन में जल बचत के महत्व पर प्रकाश डाला। इंजी. जे. के. गौड ने भी जल बचत पर अपने विचार व्यक्त किए तथा जल बचत की नवीनतम तकनीकों के बारे मे विस्तार से बताया ।
- कृषि महाविद्यालय, बीकानेर की एनएसएस इकाई ने 5 जून, 2021 को ऑनलाइन विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया। इस दिवस पर छात्रों ने हर साल एक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया ।
- महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 8-10 दिसम्बर, 2021 तक तीन दिवसीय सहृदय विश्राम एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री ओम प्रकाश गोम्बर, समन्वयक, हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन एंड मेडिटेशन, बीकानेर की देखरेख में शिविर आयोजित किया गया ।

कृषि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

कृषि महाविद्यालय वर्तमान में कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर में चल रहा है जिसमें इस वर्ष सीटों में वृद्धि करते हुए 60 से 120 सीट कर दी गई हैं। साथ-ही-साथ स्नातकोत्तर कार्यक्रम Plant Breeding and Genetics, Agriculture Extension Education, Agronomy, Entomology तथा Plant Pathology में इस वर्ष से प्रारम्भ किये गये हैं। इस वर्ष दो कमरों का शिलान्यास कक्षाओं को चलाने के लिए माननीय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा दिसम्बर, 2021 में किया गया है ।

कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़

कृषि महाविद्यालय, हनुमानगढ़ की शुरूवात माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 बजट घोषणा के अर्न्तगत हुई है। यह महाविद्यालय वर्तमान में कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र में चल रहा है। महाविद्यालय में सत्र 2021-22 में 60

सीटों पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा के तहत छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया गया है।

कृषि महाविद्यालय, मण्डावा (झुंझुनू)

कृषि महाविद्यालय, मण्डावा, जिला झुंझुनू का प्रारम्भ माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 बजट घोषणा के अर्न्तगत हुई है। यह महाविद्यालय वर्तमान में करणी कृपा शिक्षण संस्थान, फतेहपुर बाईपास मण्डावा में चल रहा है। महाविद्यालय में सत्र 2021-22 में 60 सीटों पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा के तहत छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया गया है।

कृषि महाविद्यालय, मण्डावा को श्रीमान् जिला कलेक्टर, झुंझुनू द्वारा 31.15 हैक्टेयर भूमि आंवटित की गई है। यह भूमि दो खण्डों में क्रमशः ग्राम श्योपुरा (26.0 हैक.) तथा ग्राम कुहाडु (5.15 हैक.) में स्थित हैं।

कृषि महाविद्यालय, चॉदगोठी (चूरू)

माननीय मुख्यमंत्री महोदय के द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2021-22 के बिन्दु संख्या 318 के क्रम में स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत चाँदगोठी (सादुलपुर) चूरू में कृषि महाविद्यालय खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी । तदुपरान्त राज्य सरकार द्वारा पत्र क्रमांक प 1 (8) कृषि - 3/2021 दिनांक 7.4.2021 के द्वारा 29 नवीन पद एवं 01 मशीन विद मैन की सेवाओं के सृजन की स्वीकृति प्रदान की गयी । इस महाविद्यालय में विश्वविद्यालय द्वारा अधिष्ठाता एवं एक सहायक आचार्य को पदस्थापित किया गया है । शैक्षणिक सत्र 2021-22 में महाविद्यालय में स्वीकृत 60 विद्यार्थियों का प्रवेश राज्य स्तरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JET) के द्वारा हो चुका है। वर्तमान सत्र में स्नातक प्रथम वर्ष (कृषि) की कक्षाएं अतिथि संकाय शिक्षकों के द्वारा सुचारु रूप से करवाई जा रही है। वर्तमान में कृषि महाविद्यालय का संचालन विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, चाँदगोठी परिसर में में चल रहा हैं। महाविद्यालय हेतु जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, चूरु द्वारा रोही ग्राम - थिरपाली छोटी में 39.44 हेक्टेयर भूमि का आवंटन हो चुका है ।

कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, बीकानेर

- कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान ने 22वां संस्थान स्थापना दिवस एवं पूर्व छात्र सम्मेलन 19 जनवरी, 2021 को आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति, प्रो. रक्षपाल सिंह, एसकेआरएयू ने की। सम्मानित अतिथि श्री विजय मुंद्रा (विलोवुड समूह के अध्यक्ष) और विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद से प्रो. सुखपाल सिंह एवं संस्थान के सभी भूतपूर्व निदेशक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।
- एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा 27 फरवरी, 2021 को उद्योग अकादमी इंटरफेस में उत्कृष्टता की श्रेणी में कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान को कृषि शिक्षा पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया।
- कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, एसकेआरएयू, बीकानेर ने 2020-21 बैच का 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया। संस्थान के सभी 45 एमबीए अंतिम वर्ष के छात्रों का चयन विभिन्न कृषि व्यवसाय कंपनियों जैसे चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, यारा फर्टिलाइजर्स, डीसीएम श्रीराम, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड, समुन्नति माइक्रोफाइनेंस, सखी मिल्क प्रोडयूसर कंपनी, मैटिक्स फर्टिलाइजर्स, आईसीआईसीआई बैंक, निन्जाकार्ट, देहात आदि में हुआ है।
- संस्थान के एमबीए (एबी) प्रथम वर्ष के सभी पैंसठ छात्रों का यूपीएल, श्रीराम बायोसीड, बायर क्रॉप साइंस, आईसीआईसीआई बैंक, डीएससीएल, चंबल केमिकल्स एंड फर्टिलजर्स लिमिटेड, धर्मज जैसे विभिन्न कृषि व्यवसाय संगठनों में भुगतान आधारित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में चयन हुआ।
- राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) द्वारा प्रायोजित 'सतत कृषि और पर्यावरण संरक्षण के लिए अक्षय ऊर्जा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संयुक्त रूप से कृषि इंजीनियरिंग विभाग, कृषि महाविद्यालय और कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, एसकेआरएयू द्वारा 08-10 मार्च, 2021 के दौरान आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कुल 74 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रख्यात वैज्ञानिकों और अक्षय ऊर्जा आधारित उद्योगों के विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए।

- संस्थान ने बीएएसएफ, विटेरा रिसर्च डिवीजन, जायडेक्स, सल्फर मिल्स, श्रीराम फार्म सॉल्यूशंस, कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड, सवाना सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, एसडब्ल्यूएएल और ग्रेनप्रो प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों के कृषि व्यवसाय उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न ऑनलाइन सत्र आयोजित किए।
- इसरो, आईसीएआर और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों के वक्तव्य, एमबीए और पीएचडी स्कालर्स एवं फैकल्टी मेंबर्स के लिए कैंपस में आयोजित किये गए।
- प्रशिक्षण एजेंसी, लीडर्स वॉक, गुड़गांव द्वारा 26 से 30 अक्टूबर, 2021 के दौरान एमबीए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए प्लेसमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- बैच 2021-22 के लिए प्लेसमेंट और समर इंटर्नशिप गतिविधियां शुरू हो गई हैं और प्रतिष्ठित कृषि व्यवसाय कंपनियों जैसे यारा फर्टिलाइजर्स, डीसीएम श्रीराम, श्रीराम बायोसीड, पीआई इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, टेक्नोसर्व, विग्रो आदि ने एमबीए से छात्रों का चयन किया है।
- कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान (आईएबीएम) और कृषि इंजीनियरिंग विभाग, कृषि कॉलेज, एसकेआरएयू द्वारा संयुक्त रूप से आईएबीएम में कृषि व्यवसाय में अक्षय संसाधन आधारित अवसर पर एक प्रशिक्षण 23-24 दिसंबर, 2021 के दौरान आयोजित किया गया था। कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के कुल 54 स्नातकोत्तर छात्र प्रशिक्षण में शामिल हुए।
- एनएएचईपी, आईसीएआर द्वारा प्रायोजित एमएस एक्सेल और पावर बीआई का उपयोग कर व्यवसाय के लिए डेटा संचालित समाधान पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 27 से 30 दिसंबर, 2021 के दौरान डॉ. अमिता शर्मा और डॉ. अदिति माथुर, सहायक प्रोफेसर आईएबीएम द्वारा किया गया। कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान और कृषि महाविद्यालय के कुल 55 स्नातकोत्तर छात्र प्रशिक्षण में शामिल हुए।

कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान, श्रीगंगानगर

- 08 फरवरी, 2021 को आयोजित शैक्षणिक परिषद की 55वीं बैठक की कार्यवाही के अनुसार, यह निर्णय लिया गया कि श्रीगंगानगर में कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान को स्व-वित्त के आधार पर शुरू किया जाना है और कार्यप्रणाली तय करने के लिए एक समिति का गठन किया गया था। इसके बाद 15 जून, 2021 को हुई प्रबंधन मंडल की 105वीं बैठक में इसको स्वीकार किया गया। वर्ष 2020-21 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई थी और अब तक एमबीए (एबीएम) में 6 प्रवेश लिए जा चुके हैं।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

- सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय को उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था हेतू आइ एस ओ प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। कुलपति प्रो. आर पी सिंह ने 03 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल को यह प्रमाण पत्र सौंपा।
- सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय का वर्चुअल स्नेह मिलन कार्यक्रम जो कि (1992-94) तथा (1995-96) बैच के पूर्व विद्यार्थियों का था, वह 08 जनवरी, 2021 तथा 17 जनवरी, 2021 को आयोजित किया गया। पूर्व छात्राओं द्वारा फल के पौधो का रोपण भी किया गया।
- नायरा संस्था तथा महावीर इनटरनेशनल संस्था द्वारा ''मोबाइल फोन के महत्व और नुकसान'' विषय पर एक वर्चूअल वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका उद्देश्य युवा वर्ग को सुदृढ़ करना था। इस प्रतियोगिता में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा महाविद्यालय को इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड का सर्टीफिकेट प्राप्त हुआ।
- ''शुष्क बागवानी के प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन के माध्यम से स्थाई आजीविका यापन'' विषय पर ग्रामीण महिलाओं हेतु गोद

लिए हुए गांव गुसाईसर तथा कावनी में 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 28 जनवरी से 06 फरवरी तथा 15 से 24 फरवरी, 2021 के मध्य किया गया।

- राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन 27 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में किया गया। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता विषय ''विज्ञान व तकनीकी का आधुनिक समय में महत्व'' पर आयोजित की गई। इसी अवसर पर स्वयं सेवकों को डॉ. अंजू ठकराल (मनोवैज्ञानिक) द्वारा ''विज्ञान एवं हम'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में लोक कलाकारों के द्वारा ''कन्या भ्रूण हत्या'' पर 8 मार्च, 2021 को नाटक की प्रस्तुति दी गई साथ ही विद्यार्थियों द्वारा कविता संगीत तथा ''नारी शक्ति'' पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको द्वारा अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में गोद लिए हुए गांव कावनी में महिला जागरूकता पर रैली भी निकाली गई।
- दिनांक 24 मार्च ,2021 को वस्त्र विज्ञान व परिधान विभाग एवं नाबार्ड के सौजन्य से 15 दिवसीय प्रशिक्षण ''सूक्ष्म उद्यमिता विकास'' पर समापन समारोह आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं द्वारा कुशन कवर, पाउच तथा अन्य उत्पाद बना कर विक्रय हेतू रखे गये। प्रशिक्षण में लगभग 30 महिलाओं ने भाग लिया।
- दिनांक 03 अप्रेल, 2021 को महाविद्यालय में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें मिस फ्रेशर सुखमनी कौर बनी। जानवी कंवर प्रथम स्थान पर तथा मेघना कंवर तृतीय स्थान पर रही। इन सभी प्रतिभागिओं को लेखन, सांस्कृति व कला से संबधित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्राप्त अंको के आधार पर चयनित किया गया था। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से इन छात्राओं के व्यक्तिगत गुणों को प्रतिबिबित किया। श्रीमती अल्का पाठक (दयानंद पब्लिक स्कूल पूर्व मुख्य अधिकारी), डॉ. प्रीति गुप्ता (संचालक आयु क्लिनिक) तथा श्रीमती सुषमा बिस्सा प्रख्यात पर्वतारोही इस अवसर पर मुख्य अतिथि रही।
- 45 वर्ष से अधिक आयु वाले एस. के. आर. ए. यू. कर्मचारियों हेतु कोविड टीकाकरण का आयोजन 08 अप्रैल, 2021 को किया गया जहां 250 लोगों का टीकाकरण किया गया।
- अन्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2021 को ऑनलाइन माध्यम द्वारा मनाया गया इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सर्वश्रेष्ठ योग पोस्टर, सर्वश्रेष्ठ योग आसन, सर्वश्रेष्ठ योग विडियो प्रतियोगिताओं का आयोजन, राष्ट्रीय सेवा योजना व क्लब की गतिविधियों के अन्तर्गत कराया गया।
- दिनांक 28 जून को मरूशक्ति खाद्य प्रसंस्करण यूनिट (खाद्य एवं पोषण विभाग) में माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के द्वारा खाखरा मशीन का उद्घाटन किया गया।
- स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा कोविड वैक्सीनेशन की निरंतरता में दिनांक 3 अगस्त, 2021 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के तत्वाधान में कोविड वैक्सीनेशन के शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 150 लोगों ने वैक्सीन लगवाई। महाविद्यालय द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम दिनांक 3 अगस्त, 2021 को आयोजित किया गया जिसमें कुलपति प्रोफेसर आर.पी.सिंह ने अतिथि के रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। अधिष्ठाता एवं समस्त स्टाफ द्वारा कुल 130 पौधे लगाए गए।
- महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा पोषण माह के अन्तर्गत भारत पोषण सप्ताह (1-7 सितंम्बर ,2021)पर एक अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन दिनांक 7.09.2021 को किया गया इसमें लगभग 16 राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- मिस फ्रेशर के चुनाव के लिए विभिन्न प्रतियोगिताए जैसे पोस्टर, बेस्ट आउट आफ, वेस्ट नृत्य , गायन, इत्यादि का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता परिणाम के आधार पर सुश्री सपना मिस फ्रेशर, अंजली प्रथम रनर अप, तैय्यबा द्वितीय रनर अप साथ ही साथ भुपेन्द्र मिस्टर फ्रेशर एवं जसवींदर मिस्टर बोल्ड चुने गये।

- नव आगन्तुक छात्र छात्राओं हेतु ओरिएन्टेशन कार्यक्रम दिनांक 25 अक्टूबर 2021 को आयोजित किया गया अधिष्ठाता ने नये छात्रा छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ गौरव बिस्सा (प्रोफसर, इंजीनियरिग कॉलेज, बीकानेर तथा श्रीमती शबनब अजीज (सामाजिक क्षेत्र कार्यकर्ता) रही। इन्होने अपने प्रभावशाली विचारों से छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया।
- प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए ''एक व्यक्ति एक पेड़'' से संबंधित गतिविधि 01 दिसंबर, 2021 को आयोजित की गई, जिसमें उन्हें एक पौधा आंवंटित किया गया जिसे स्नातक कार्यक्रम के पूरा होने तक वे उस पौधे की देखभाल करेगें। कॉलेज के छात्रों द्वारा लगभग 35 पौधे लगाए गए और डॉ. विमला डुंकवाल द्वारा वर्तमान परिदृश्य में पेड़ों का महत्व पर व्याख्यान दिया गया। डॉ. कीर्ति खत्री द्वारा गतिविधि का संचालन किया गया।
- 03 दिसंबर, 2021 से 08 दिसंबर, 2021 के मध्य खाद्य व पोषण विभाग द्वारा ''ग्रामीण युवाओं के लिये दुग्ध के मूल्य वर्धन व प्रसंस्करण में उद्यमिता विकास'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 18 दिसंबर, 2021 को महाविद्यालय की छात्र-छत्राओं को ओरिएंटेशन/अभिविन्यास के अन्तर्गत राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र तथा अश्व अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण करवाया गया तथा केन्द्र से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

मानव संसाधन विकास निदेशालय

- कृषि विभाग, राज्य सरकार की ओर से मानव संसाधन विकास निदेशालय के सभागार में प्रगतिशील किसानों, पशुपालकों, डेयरी संघ के पदाधिकारियों एवं खाद्य उत्पादक समूह के प्रतिनिधियों के साथ संभाग स्तरीय "बजट पूर्व चर्चा" शीर्षक के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन दिसम्बर माह में किया गया था। इस कार्यक्रम में डॉ. उदयभान, संयुक्त निदेशक कृषि, डॉ. एस. पी. सिंह, संयुक्त शासन सचिव (कृषि), राजस्थान सरकार एवं डॉ. नमित महेता, जिलाधीश, बीकानेर ने कार्यक्रम को सम्भोधित किया। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों ने भी भाग लिया।
- मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा दो पाठ्यक्रम जैविक कृषि एवं जल बचत खेती जो कि पहले से ही चले आ रहे हैं उनको परिवर्तित/अद्यतन यानी ऑन लाईन पाठ्यक्रम के रूप में भी चालू किये गये हैं :
- इसके अतिरिक्त छः अन्य शीर्षकों पर ऑन लाइन पाठ्यक्रम तैयार करवाये गये हैं जो कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध होंगें। इन नवीन पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत है :

1. मधु मक्खी पालन	2. फलों एवं सब्जियों से तैयार मूल्यवर्द्धित उत्पाद	3. कुक्कुट पालन
4. जैव नियंत्रण	5. संरक्षित खेती	6. मशरुम की खेती

छात्र कल्याण निदेशालय व क्रीडा मण्डल की गतिविधियां

- नायरा तथा महावीर संस्थान, उदयपुर द्वारा वर्चुअल वाद-विवाद प्रतियोगिता ज्ञानोदय, दिनांक 07 से 12 जनवरी, 2021 को आयोजित की गई इसमें गृह विज्ञान महाविद्यालय के 12 एन एस एस स्वयं सेवकों ने भाग लिया जिसमें 05 स्वयं सेवकों को अंतिम राउड दिनांक 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के लिए चुना गया।
- कृषि महाविद्यालय एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय के 13 एन एस एस स्वयं सेवकों ने 23 जनवरी, 2021 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125 वी वर्ष गांठ पर आयोजित राज्य स्तरीय वर्चुअल भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसका आयोजन पर्यावरण युवा मंच एवं पर्यावरण प्रकोष्ठ एम.पी.यू.टी., उदयपुर द्वारा किया गया।
- कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के एन एस एस प्रभारी एवं 2 स्वयं सेवकों ने एक दिवसीय स्वच्छता कार्य योजना पर आधारित 8 फरवरी, 2021 को डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर एवं क्षेत्रीय निदेशालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर द्वारा आयोजित वर्कशॉप में भाग लिया।

- कृषि महाविद्यालय के स्वयं सेवको एवं खेलकूद वाले छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय खेल परिसर में 04 मार्च, 2021 को स्वच्छता कार्य किया गया जिसका अवलोकन माननीय कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह के साथ किया गया।
- अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 06 मार्च, 2021 को महिला जागरूकता पर रैली का आयोजन गृह विज्ञान महाविद्यालय के स्वयं सेवको द्वारा गोद लिए गये गाँव काँवनी में किया गया।
- 22 मार्च, 2021 को विश्व जल दिवस का आयोजन कृषि महाविद्यालय एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्वयं सेवक ईकाईयों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया जिसमें इंजिनियर जितेन्द्र कुमार गौड़ द्वारा जल बचत, तकनीकी पर व्याख्यान स्वयं सेवकों को दिया गया तथा छात्र कल्याण निदेशक एवं विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. वीर सिंह द्वारा भी छात्रों को जल बचत एवं उसका उपयोग धन की तरह करने पर बल दिया गया।
- 15-31 मार्च, 2021 तक पौषण पखवाड़ा, गृह विज्ञान महाविद्यालय के स्वयं सेवको द्वारा मनाया गया जिसमें मालन्यूट्रीशन पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।
- दिनांक 05 जून 2021 को कृषि महाविद्यालय, बीकानेर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने जीवन पर्यन्त हर साल एक पेड़ लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया तथा गृह विज्ञान महाविद्यालय के 24 स्वयं सेवकों ने कृषि एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग राष्ट्रीय खाद्य तकनीकी व उद्यमिता व्यवस्थापन द्वारा दिनांक 5 जून को पर्यावरण पारिस्थिकी विषय पर ''विश्व पर्यावरण दिवस'' के उपलक्ष्य में भाग लिया गया।
- निदेशालय छात्र कल्याण, स्वाकेराकृवि, बीकानेर द्वारा अन्तराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2020) के उपलक्ष में योग के प्रति जागरूकता पर ऑन लाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 70 (विद्यार्थियों/विधाविद/अनुसंधान स्कोलर्स व अन्य) ने भाग लिया।
- निदेशालय छात्र कल्याण द्वारा स्वामी केशवानन्द जी के निर्वाण दिवस के अवसर पर 13 सितम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित स्वामी केशवानन्द जी के स्मारक पर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण व छात्र-छात्राओं ने स्वामी जी की मूर्ति पर पुष्पों द्वारा अपनी सच्ची श्रद्धांजली अर्पित की।
- राष्ट्रीय हिन्दी दिवस का आयोजन 14 सितम्बर 2021 को निदेशालय छात्र कल्याण द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शैक्षणेत्तर/अशैक्षणेत्तर कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. भरत सिंह परमार, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान दीमापुर (नागालैण्ड) ने मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी भाषा का अध्यापन, अध्ययन एवं दैनिक जीवन में महत्त्व पर व्याख्यान दिया। प्रो. आर. पी. सिंह, माननीय कुलपति, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए सभी को राज कार्य एवं व्यक्तिगत कार्य में हिन्दी भाषा का उपयोग करने की सलाह दी।
- दो दिवसीय स्वच्छता अभियान का आयोजन कृषि महाविद्यालय, बीकानेर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों द्वारा 24-25 नवम्बर, 2021 तक स्वाकेराकृवि, स्टेडियम में किया गया। जिसमें डॉ. पी. एस. शेखावत, निदेशक, अनुसंधान निदेशालय ने स्वयं सेवकों को खेल कूद में भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा डॉ. वीर सिंह, निदेशक, छात्र कल्याण ने स्वच्छता व मच्छरों के बढ़ते प्रकोप की रोकथाम के बारे में बताया।
- 20 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकुद प्रतियोगिता का सफल आयोजन विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल द्वारा दिनांक 07-08 दिसंबर, 2021 तक बड़े सोर्हादपूर्ण वातावरण में किया गया, जिसमे वालीबाल, फुटबाल, कबड्डी, बास्केटबाल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, रस्सा कस्सी, केरम व शतरंज खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

5. अनुसंधान

कृषि शोध हेतु तीन अनुसन्धान केन्द्र (दो मुख्य केंद्र एवं एक उपकेन्द्र) एवं राष्ट्रीय बीज परियोजना तीन कृषि जलवायुवीय क्षेत्रो में फैले छः जिलो में सक्रिय है। वर्ष 2021-22 में उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा प्रौद्योगिकी के विकास हेतु 15 अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजनायें भारतीय अनुसन्धान परिषद द्वारा संचालित है। इनके अलावा लघु एवं दीर्घ अवधि की 09 राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत एवं अन्य परियोजनाएं योजना बजट के अन्तर्गत चलाई जा रही है। इस वर्ष विभिन्न फसलों सब्जी एवं फल वृक्ष के साथ-साथ अन्य अनुसंधान सम्बन्धित कार्य किये गये जिनमें प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नप्रकार हैं-

कृषि अनुसन्धान केन्द्र बीकानेर खण्ड : 1 सी

- फार्म प्रक्षेत्रः 146 हेक्टेयर, कृषि योग्य क्षेत्रफल : 100 हेक्टेयर

अनुसंधान परियोजना

- अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित चारा अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित शुष्क फल अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित शुष्क दलहनी फसल अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित लवण ग्रस्त मृदाओ का प्रबन्धन और खारे पानी का कृषि में प्रयोग अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित मूंगफली अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित मृदा जाँच फसल अनुक्रिया अनुसंधान परियोजना
- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना
- फसल अनुसंधान परियोजना ।

खरीफ 2021 की अनुमोदित संस्तुतियां :

ग्वार:

- ग्वार में रस चूसने वाले कीटों के नियंत्रण के लिए नीम की गुली का 5 प्रतिशत अर्क का 50 मिली अथवा बेविरिया बेसियाना 4 ग्राम प्रति लीटर की दर से प्रथम छिड़काव बुवाई के 30 से 35 दिन बाद तथा दूसरा छिड़काव 50 से 55 दिनों बाद आर्थिक रूप से प्रभावी पाया गया है।
- पाली जिले का भू-जल की गुणवत्ता का मानचित्र तैयार कर पानी व मृदा के प्रभावी उपयोग के सुझाव दिये गये।

बाजरा :

- बाजरा में खरपतवार नियंत्रण के लिए बाजरे की 3-4 पत्ती की अवस्था पर टैम्पोटरिन खरपतवार नाशिका 110 से 120 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव प्रभावी है।
- बाजरे में जैविक पोषक तत्व प्रबंधन के लिए 8 टन सड़ी हुई देशी गोबर की खाद भूमि में प्रयोग के साथ जैव उर्वरक बायोमिक्स

(एजोस्पाईरिलम + फास्फोरस घुलनशील जीवाणु + माईकोराइजा) के द्वारा बीजोपचार करने से अधिक जैविक बाजरा उत्पादन ले सकते है।

मूंगफली : मूंगफली में काली जड़ रोग के प्रभावी नियंत्रण के लिए निम्न कार्य करें।

- गर्मी में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करें
- बुवाई से पहले भूमि उपचार करे, 250 किग्रा गोबर की खाद में 4 किग्रा ट्राइकोडर्मा हरजेनियम मिलाकर भूमि को उपचारित करें।
- बुवाई के समय टेबूकनाजोल 2 डी एस @ 1.5 ग्राम प्रति किग्रा बीज और पी जी पी आर (राइजोबैक्टीरिया) से बीज को उपचारित करें।
- खड़ी फसल में 250 किग्रा गोबर की खाद में 4 किग्रा ट्राइकोडर्मा हरजेनियम मिलाकर 35 व 70 दिन बाद भूमि में प्रयोग करें।

रबी 2021 -22 में शामिल पीओपी में खण्ड 1 सी की सिफारिशे

चने की किस्में:

जी.एन.जी. 2171: यह किस्म 150 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसका औसत उत्पादन लगभग 24 क्विंटल/हैक्टेयर आंका गया है।

जी.एन.जी. 2161: इसकी फसल औसतन 128 दिनों में पक्कर तैयार हो जाती है। इसकी औसत पैदावार लगभग 24-25 क्विंटल प्रति हैक्टेयर आंकी गयी है।

जी.एन.जी. 2207: फसल 130-140 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। अनुकूल परिस्थितियों में 20-24 क्विंटल प्रति हैक्टेयर उपज देने की क्षमता रखती है।

गेहूँ की किस्में :

एचडी 3059: किस्म की पकाव अवधि 121 दिन एवं औसत उपज 42.5 क्विंटल/हैक्टेयर है।

गेहूँ की राज 4079 (2011): गेहूँ की यह किस्म 85 से 90 से.मी. ऊँची, अधिक फुटान वाली, गर्म तापक्रम की सहन शीलता रखने वाली एवं रोली रोधक है। इसके पकने का समय 115 से 120 दिन है। इसकी ऊपज 47 से 50 क्विंटल/हैक्टेयर होती है।

मैथी की किस्में :

एएफजी-2: उपज 15-18 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इसके बीज छोटे होते है जिसके औषधीय गुण अधिक हैं। किस्म की पकाव अवधि 138 दिवस है।

एएफजी-4 (2015): यह किस्म पाउडरी मिल्डयू एवं जड़गलन से मध्यम प्रतिरोधी है। इसकी औसत उपज 19.25 क्विंटल/हैक्टेयर है।

एएफजी-5 (2018): इस किस्म की औसत उपज 17.21 क्विंटल/हैक्टेयर है।

रिजका की किस्म :

कृष्णा (आर.आर.बी. 07-1): भारत के उत्तरी पश्चिमी क्षेत्रों में उत्पादन हेतु उपयुक्त रिजका की यह किस्म वर्ष 2016 में स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर से विकसित की गई। इससे हरे चारे का वार्षिक उत्पादन 350 क्विंटल प्रति हैक्टेयर मिलता है। यह बहुवर्षीय किस्म है, जो कि तीन वर्ष तक उत्पादन देती है। इसमें अपक्व प्रोटीन की 20.27 प्रतिशत मात्रा पाई जाती है। रोगों व कीटों के प्रति अच्छी प्रतिरोधकता है।

सरसों:- बीकानेर क्षेत्र में सरसों में 70 प्रतिशत वाष्पीकरण दर (लगभग 260 से 270 मिमी) से सिंचाई तथा 120 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर के प्रयोग से उपयुक्त उपज तथा जल उत्पादकता प्राप्त करने में प्रभावी है। जलाभाव परिस्थितियों में सैलिसिलिक अम्ल का 0.5 मिली मोलर का 69 मिली ग्राम प्रति लीटर की दर से बुवाई के 45 तथा 65 दिन पश्चात् पर्णीय छिड़काव का प्रयोग उपज वृद्धि में प्रभावी है।

मृदा परीक्षण फसल अनुक्रिया सहसम्बन्ध आधारित सुआ की लक्षित उपज के लिए उर्वरक संस्तुतिः

इस क्षेत्र में सुआ की अच्छी/लक्षित उपज प्राप्त करने के लिए उर्वरक का प्रयोग मृदा परीक्षण के बाद ही करने की अनुशंषा की जाती है। जिसके लिए निम्नलिखित उर्वरक समायोजित समीकरण का उपयोग किया जा सकता हैः

उर्वरक नत्रजन (किग्रा./है.) = 8.80 लक्षित उपज- 0.72 मृदा सुलभ नत्रजन - 1.75 गोबर/कम्पोस्ट खाद

उर्वरक फॉस्फोरस (किग्रा./है.) = 3.99 लक्षित उपज- 0.92 मृदा सुलभ फॉस्फोरस -1.40 गोबर/कम्पोस्ट खाद

उर्वरक पोटाश (किग्रा./है.) = 4.40 लक्षित उपज- 0.23 मृदा सुलभ पोटाश - 0.82 गोबर/कम्पोस्ट खाद

यहां लक्षित उपज क्विंटल प्रति है., सुलभ पोशक तत्व किग्रा./है. एवं कार्बनिक खाद द्वारा उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा किग्रा./है. है।

फसलों में जिंक उर्वरकों का प्रबन्धन

1. जिंक की कमी वाले क्षेत्रों में बुआई से पूर्व 15 किग्रा जिंक सल्फेट (33 प्रतिशत) या 25 किग्रा जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत) प्रति हैक्टेयर के हिसाब से जमीन में मिला दें।
2. खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण प्रकट होने पर जिंक सल्फेट (33 प्रतिशत) का 0.33 प्रतिशत पर्णीय छिड़काव या जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत) का 0.5 प्रतिशत पर्णीय छिड़काव 0.25 प्रतिशत बुझा हुआ चूना के साथ पानी में घोल बनाकर बुआई के 35-40 दिन बाद छिड़काव करें।

- खजूर की 20 नई किस्मो का पौधरोपण करवाकर 34 से 54 खजूर का जर्म प्लाजम विकसित किया गया।
- बेल पत्र की 06 नई किस्मो का पोधा रोपण कर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण हेतु बगीचा लगाया।
- NIPHM, हैदराबाद के तत्वाधान में पेस्टीसाइड डीलर्स सर्टिफिकेट कोर्स हेतु नोडल प्रशिक्षण केंद्र के रूप में चयन किया गया तथा 12 दिसम्बर, 2021 से कोर्स प्रारम्भ किया गया ।

कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर खण्ड (1-ब)

फार्म प्रक्षेत्र : 78.5 है., कृषि योग्य क्षेत्रफल : 68.2 हैक्टेयर

अनुसंधान परियोजनाएं:

- अखिल भारतीय समन्वित कपास अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित सरसों अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित गन्ना अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित जल प्रबन्धन अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित नींबू वर्गीय फल अनुसंधान परियोजना
- अखिल भारतीय समन्वित मृदा परीक्षण फसल आनुक्रिया अनुसंधान परियोजना
- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना

खरीफ 2021 की अनुमोदित संस्तुतियां :

अमेरीकन कपास की नई किस्म आर.एस. 2814 : अमेरीकन कपास की यह किस्म वर्ष 2020 में राजस्थान के उत्तरी पश्चिमी क्षेत्रों के साथ-साथ हरियाणा व पंजाब राज्यों के लिये अधिसूचित हुई है। यह किस्म लगभग 165 से 175 दिनों में तैयार होकर औसतन

26-27 क्विंटल प्रति हैक्टेयर का उत्पादन देने की क्षमता रखती है।

रबी 2021-22 की अनुमोदित संस्तुतियां:

चने की किस्मे:

जी.एन.जी.-2261 (केशव) : इसकी फसल औसतन 128 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। यह किस्म झुलसा, जड़गलन एवं एस्कोकाईटा ब्लाईट आदि रोगों के प्रति उचित प्रतिरोधक क्षमता रखती है। उचित प्रबन्धन एंव अनुकूल परिस्थितियों में इसकी औसत पैदावार लगभग 24-25 क्विंटल प्रति हैक्टेयर आंकी गई है।

नींबू की नई किस्म:

गंगानगरी एसिड लाईम-1 : इसके फसल औसतन चार से पाँच वर्ष की आयु वाले पौधे से 50-60 किलो फल प्रति पौधा उपज प्राप्त होती है। इसमें फल वर्ष में दो बार पहला अगस्त-सितम्बर, दूसरा जनवरी-मार्च माह में प्राप्त होते हैं।

गन्ने के भेदक कीटों का नियंत्रण :

गन्ने में खरीफ 2017-18, 2018-19 व 2019-20 में भेदक कीटो के नियंत्रण व रसायनों का इसकी गुणवत्ता पर प्रभाव के लिये कीटनाशकों का मूल्यांकन किया गया जिनमें क्लोरॉनट्रानिलिप्रॉल 18.5 एस.सी./0.25 मिली./लीटर पानी की दर से छिड़काव गन्ने के भेदक कीटों के नियंत्रण के लिये प्रभावी पाया गया। अतः गन्ने के भेदक कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिये क्लोरॉनट्रानिलिप्रॉल 18.5 एस. सी./0.25 मिली./लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।

- एन.टी.आई. डेसी : मैनेज, हैदराबाद द्वारा केन्द्र को देशी कार्यक्रम (डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्टेंशन सर्विस फॉर इनपुट डीलर्स) डिप्लोमा कोर्स दिया गया है इसके अन्तर्गत श्रीगंगानगर जिले के आदान विक्रेताओं को देशी प्रशिक्षण के दो बैच (40 प्रशिक्षार्थी/बैच) पूर्ण कर लिये है तथा तीसरा बैच वर्तमान में चल रहा है।
- एन.टी.आई. एसीएंड एबीसी : केन्द्र को मैनेज, हैदराबाद द्वारा कृषि क्लिनिक एवं कृषि व्यवसाय सेंटर स्कीम के अन्तर्गत कृषि स्नातकों को स्वरोजगार हेतु 45 दिन का संस्थागत प्रशिक्षण आयोजन करवाकर उन्हें व्यवसाय शुरू करने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा।

राष्ट्रीय बीज परियोजना अन्तर्गत बीज उत्पदान (वर्ष 2021)

- अखिल भारतीय समन्वित प्रजनक बीज उत्पादन अनुसन्धान परियोजना ।

  राष्ट्रीय बीज परियोजना अन्तर्गत वर्ष 2021 में 3578.05 क्विंटल बीज का उत्पादन हुआ जिसमे प्रजनक बीज (1234.05 क्वि.) सत्य चिन्हित बीज (1882.09 क्वि.) तथा प्रमाणिक बीज (461.87 क्वि.) का उत्पादन किया गया है। ऋतु अनुसार बीज उत्पादन निम्न प्रकार है :

फसल	प्रजनक बीज (क्विंटल)	सत्य चिन्हित बीज (क्विंटल)	प्रमाणिक बीज (क्विंटल)	कुल (क्विंटल)
रबी	1034.45	1220.36	446.00	2700.81
खरीफ	199.64	661.73	15.87	877.24
कुल	1234.05	1882.09	461.87	3578.05

वर्ष 2021 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियॉं :

इस वर्ष कुल 9 एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 476 किसानों को बीज उत्पादन एवं फसल संरक्षण पर प्रशिक्षण दिया गया। वर्ष 2021 के दौरान आधारभूत सुविधाओ में विस्तार किया गया हैं।

6. प्रसार शिक्षा

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर की नोडल एजेन्सी के रुप में प्रसार शिक्षा निदेशालय की स्थापना 19 जनवरी, 2000 को हुई। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के कृषि विकास को त्वरित गति से आगे बढ़ाते हुए, किसानों, पशुपालकों ओर कृषि विभाग में कार्यरत प्रसार कार्यकर्ताओं को कृषि सलाह व कृषि सूचना उपलब्ध कराना एवं कृषि प्रौद्योगिकी से अवगत कराना है। वर्तमान में इस निदेशालय के अधीन 07 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत हैं।

निदेशालय का मुख्य कार्य कृषि विज्ञान केन्द्रों की सहायता से राज्य में कृषि व तकनीकी व्यवसायों से जुड़े परिवारों की आवश्यकतानुसार फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन, गृह विज्ञान, पौध संरक्षण आदि में संस्थागत एवं असंस्थागत व्यावसायिक प्रशिक्षण देना है। यह प्रशिक्षण 2-3 दिवस से छः मास की अवधि के हो सकते हैं। कृषि प्रशिक्षण के साथ-साथ कृषकों के खेतों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, खेतों पर परीक्षण, प्रसार सलाह सेवाएं, बीज उत्पादन व नर्सरी तैयार करना आदि भी इनके मुख्य कार्य हैं।

1. प्रशिक्षण

वर्ष 2021 में कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु 208, ग्रामीण युवाओं के लिए 17 व प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए 08 प्रशिक्षणों सहित कुल 233 प्रशिक्षण आयोजित कर कुल 6091 प्रतिभागियों को लाभान्वित किया गया।

प्रशिक्षण का प्रकार	प्रशिक्षण की संख्या	प्रशिक्षणार्थी
कृषक व कृषक महिला	208	5259
ग्रामीण युवा प्रशिक्षण	17	565
प्रसार कार्यकर्ता	08	267
कुल	**233**	**6091**

2. प्रदर्शन

किसानों तक प्रदर्शन के माध्यम से प्रौद्योगिकी स्थानान्तरण के लिये वर्ष 2021 में 683.4 हेक्टेयर क्षेत्र में 1904 किसानों के यहाँ प्रदर्शन लगाये गये। इन प्रदर्शनों में दलहन 262.4 हेक्टेयर में, तिलहन पर 334.0 हेक्टेयर में, अन्य फसलों पर 87 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रदर्शन लगाये गये।

फसल	प्रदर्शन क्षेत्र (हे.)	प्रदर्शन संख्या
तिलहन	334.0	743
दलहन	262.4	641
अन्य फसलें	87.0	520
कुल	**683.4**	**1904**

3. खेतों पर परीक्षण (ओ.एफ.टी.)

किसानों द्वारा नई तकनीकियों को नही अपनाने को ध्यान में रखते हुए ऐसी तकनीक पर किसानों के खेत पर परीक्षण करके उनको स्थानीय वातावरण में अपनाने योग्य बनाया जाता है। विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत 07 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विगत वर्ष 2021 में 55 गांव में 260 किसानों के खेतों पर समस्याओं के आधार पर परीक्षण किये गये । इनमें मुख्यतया कपास, गेहूँ, ग्वार, जीरा, प्याज, बेर, खजूर, किन्नू आदि की कम उपज प्राप्त करने पर तथा अन्य तकनीकी शोधन के लिये परीक्षण लगाये गये हैं।

4. अन्य प्रसार गतिविधियाँ

वर्ष 2021 में उन्नत तकनीकी के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु 07 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रसार गतिविधियाँ भी चलाई गई जिनमें मुख्य गतिविधियां इस प्रकार है।

अन्य प्रसार गतिविधियाँ	गतिविधि	प्रतिभागी
निदान सेवाएं	61	1157
क्षेत्र दिवस	48	1741
कृषक वैज्ञानिक संवाद	4	238
किसान गोष्ठी	22	1023
टेलीफोन हैल्प लाईन	–	7933
फिल्म शो	13	1032
किसान मेला	1	1300
रेडियो वार्ता	10	–
प्रेस विज्ञप्ति	349	34
प्रसार सामग्री मुद्रण	29	–
किसानों के खेत पर वैज्ञानिक भ्रमण	207	2014
कृषि विज्ञान केन्द्र पर कृषक भ्रमण	–	5422
प्रदर्शनियाँ	6	–
चोखी खेती सदस्यता	–	240
मृदा एवं पानी जांच	–	82
अन्य कार्यक्रमों में वैज्ञानिकों द्वारा भ्रमण	58	2046
कार्यशाला व सेमिनार में वैज्ञानिकों की उपस्थिति	24	–
कृषक महिला दिवस	9	413
पशु राहत शिविर	4	215
व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए एडवायजरी	62	497
भारतीय संविधान दिवस का आयोजन	5	159
सतर्कता जागरुकता सप्ताह	9	329

स्वच्छता पखवाड़ा	14	252
समूह बैठक	2	85
जल शक्ति अभियान	2	45
वृक्षारोपण कार्यक्रम	1	100
पी.एम. किसान सम्मान निधि कार्यक्रम	6	402
उद्घाटन कार्यक्रम	7	286
राष्ट्रीय पोषण दिवस	10	578
राष्ट्रीय पोषण माह	4	157
विश्व मृदा दिवस	7	344
नारी कार्यक्रम	21	498
अपशिष्ट से खुशहाली	4	175
किसान दिवस	4	153
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	2	81
विश्व खाद्य दिवस	5	160
भाकृअप स्थापना दिवस	2	44
विश्वविद्यालय स्थापना दिवस	1	17
प्राकृतिक खेती पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग	4	221
मुख्य दिवसों का आयोजन	32	1152
पूर्व खरीफ अभियान	1	120
पूर्व रबी अभियान	1	90
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	3	65
विश्व मधुमक्खी दिवस	1	32
विश्व दुग्ध दिवस	1	25
उर्वरक जागरुकता अभियान	1	28
ऑन लाईन वेबकास्टिंग कार्यक्रम	5	135
स्वयं सहायता समूह	1	40
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत कार्यशाला	7	277
परम्परागत कृषि विकास योजना के अन्तर्गत कार्यशाला	1	20
किसान चौपाल	4	107
कुल	**1075**	**31564**

वर्ष 2021 में प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन संचालित 07 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा नवीनतम तकनीक के स्थानान्तरण हेतु प्रयुक्त विभिन्न प्रसार गतिविधियों व प्रदर्शनों के माध्यम से 31564 कृषक, कृषक महिलाओं एवं बेरोजगार ग्रामीण युवाओं को लाभान्वित किया गया ।

5. बीज उत्पादन

किसानों को उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध करवाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों के फार्मों पर प्रजनक एवं सत्यापित बीज उत्पादन कार्यक्रम चलाया जाता है। वर्ष 2021 में इन फार्मों पर मूंग, मूंगफली, ग्वार, गेहूँ, जौ, चना, सरसों, मेथी आदि का 2220.87 क्विंटल विभिन्न उन्नत किस्मों का बीज उत्पादित कर किसानों को एवं विभिन्न संस्थाओं को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराया गया।

अन्य गतिविधियां

कोविड-19 जागरुकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के अधीनस्थ 07 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 12 गतिविधियों के माध्यम से 388 प्रतिभागियों को कोविड-19 के बचाव एवं टीकाकरण हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर प्रेरित किया गया।

चौधरी चरण सिंह जयन्ती समारोह कार्यक्रम

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा 23 दिसम्बर, 2021 को किसान दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय मुख्यालय पर चौधरी चरण सिंह स्मृति उत्कृष्ट किसान पुरस्कारों से विश्वविद्यालय के अधीन 07 कृषि विज्ञान केन्द्रों से एक-एक किसान को उत्कृष्ट नवाचारी किसानों के रुप में एवं दो कृषक, एक कृषक महिला को विशिष्ट नवाचारी किसान सम्मान से माननीय कुलपति प्रो. रक्षपाल सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया।

विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत् गोद ग्राम में आयोजित गतिविधियां

माननीय राज्यपाल महोदय की पहल ''विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व'' के तहत् स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा गोद लिये गांवों (गुसांईसर व कावनी) में आयोजित गतिविधियां निम्न प्रकार से है :

ग्रामः गुसांईसर

गुसांईसर ग्राम में कोविड-19 से बचाव के लिए ग्रामीणों को सरकार की गाईडलाईन की पालना करने का अनुरोध किया गया। किसानों के लिए वर्ष भर विभिन्न प्रकार के फसल उत्पादन, पोषण प्रबन्धन, समन्वित कीट प्रबन्धन, उर्वरक प्रबन्धन प्रशिक्षण आभासी व भौतिक रुप से आयोजित किये गये। प्रत्येक माह गांव में कृषि ज्ञान संसाधन केन्द्र के तहत् किसानों की वैज्ञानिकों द्वारा समस्या का समाधान किया गया। पोषण माह के तहत् किसानों के खेत पर वृक्षारोपण करवाया गया। माननीय प्रधानमन्त्री के कार्यक्रम, प्राकृतिक खेती, कृषक वैज्ञानिक इन्टरफेस, किसानों द्वारा सजीव कार्यक्रम देखकर जानकारी प्राप्त की। किसानों ने आभासी माध्यम से विश्व मधुमक्खी दिवस, विश्व दुग्ध दिवस में भाग लेकर जानकारी प्राप्त की। गांव की लड़कियों व महिलाओं के लिए 10 दिवसीय शुष्क बागवानी से सम्बन्धित फलों व सब्जियों के प्रसंस्करण व मूल्य संवर्द्धन विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 30 महिलाओं ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. रक्षपाल सिंह, निदेशक अनुसंधान, निदेशक प्रसार शिक्षा, अधिष्ठाता, सामुदायिक महाविद्यालय सहित अनेक अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर शिरकत की व सहभागियों द्वारा प्रशिक्षण में बनाये गये उत्पादों का अवलोकन किया व फीड बैक प्राप्त किया।

ग्राम : कावनी

गांव में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों की आवश्यकता पर आधारित फसल उत्पादन, जल प्रबन्धन, उर्वरक प्रबन्धन, समन्वित कीट प्रबन्धन, व्याधि प्रबन्धन आदि विषयों पर आठ प्रशिक्षण आयोजित कर उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गई। कोविड-19 जागरुकता शिविर के तहत् बचाव हेतु सरकार के दिशा निर्देशों की पालना का अनुरोध किया गया। महिला सशक्तिकरण व मादा भ्रुण हत्या रोकने, महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई। अनुसूचित जाति के 20 कृषकों को मूंगफली समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत् 20 बेटरी चालित स्प्रेयर, कीटनाशक व अन्य रसायन आदि उपलब्ध करवाये गये। किसानों ने विश्व दुग्ध दिवस, माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम, प्राकृतिक खेती, कृषक वैज्ञानिक इन्टरफेस आदि कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखकर जानकारी प्राप्त की। पोषण को बढ़ावा देने हेतु पोषण माह मनाया गया व वृक्षारोपण करवाया गया। गांव के पंचायत भवन परिसर में माननीय कुलपति महोदय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के विभिन्न अधिकारियों द्वारा स्वच्छता शिविर व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किये गये। विश्व मृदा दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध करवायें गये। प्रत्येक माह कृषि ज्ञान संसाधन केन्द्र के तहत् वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों की समस्याओं का समाधान किया गया। शुष्क बागवानी के तहत् उत्पादित फल व सब्जियों के प्रसंस्करण व मूल्य संवर्द्धन शीर्षक पर 09 दिवसीय महिला प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 30 महिलाओं ने भाग लिया, समापन अवसर पर माननीय कुलपति महोदय के मुख्य आतिथ्य में प्रसंस्करण उत्पादों का अवलोकन व फीड बैक प्राप्त किया गया।

स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय में वर्ष 2021 के दौरान राजस्थान, गुजरात व कर्नाटक राज्य के 430 किसानों ने भ्रमण किया, जिसमें कृषि, पशुपालन, गृह विज्ञान, फार्म मशीनरी, कृषि अनुसंधान, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन संस्थान की गतिविधियों एवं सफल कृषकों की कहानियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

भू-सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय

- इस वर्ष भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशालय के तहत संचालित नर्सरी में 80,000 फलदार व अन्य छायादार वृक्ष तैयार किये गये जिन्हें विश्वविधालय की निर्धारित दरों पर सरकारी विभागों, अर्द्धसरकारी एवं काश्तकारों को विक्रय किये गये। साथ ही साथ 40,000 सब्जियों की पौध, फूलों वाले पौधे एवं वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर विक्रय की गई। इस वर्ष थार शोभा खेजडी (ग्राफ्टेड खेजडी) तैयार कर किसानों को विक्रय की गई। इस वर्ष निदेशालय द्वारा 11.00 लाख रूपये का राजस्व अर्जित किया गया।
- पर्यावरण सुरक्षा एवं शुद्धता हेतु विश्वविद्यालय परिसर में वृहत स्तर पर साफ-सफाई एवं विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण एवं विश्वविद्यालय परिसर में लॉन के रखरखाव व फूलों वाले पौधे लगाकर कैम्पस के सौन्दर्यकरण का कार्य किया गया।
- नर्सरी में पौधों को तैयार करने हेतु 26 नये पक्के बैडों का निर्माण किया गया एवं इसमे विभिन्न प्रकार की कटिंग लगाई गई।

आगामी कार्य योजना

- आगामी वर्ष में निदेशालय द्वारा संचालित नर्सरी में लगभग 1.00 लाख खेजडी, बेर, लसोडा, बेलपत्र, जामुन एवं छायादार पौधे तैयार कर विश्वविद्यालय की निर्धारित दरों के अनुरूप सरकारी एवं अर्द्धसरकारी विभागों तथा काश्तकारों को विक्रय किये जाने की योजना है।
- जैविक खेती के महत्व को देखते हुये वृहद स्तर पर वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दरों पर विक्रय की जायेगी।
- निदेशालय द्वारा काश्तकारों, सेवारत कार्मिकों एवं छात्रों के लिये आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।
- पर्यावरण सुरक्षा एवं शुद्धता हेतु विश्वविद्यालय में समय-समय पर पौधारोपण किया जायेगा।

7. विगत तीन वर्षों का प्रगति वितरण

1. विगत तीन वर्षों में बजट

1.1 कुल विश्वविद्यालय बजट

(राशि लाखों में)

मद	2018-19	2019-20	2020-21	अप्रेल, 2021 से दिसम्बर, 2021
आंतरिक राजस्व	650.00	715.85	765.89	641.01
राज्य निधी (गैर योजना)	4500.00	5250.00	5400.00	4200.00
राज्य निधी (राज्य योजना)	825.65	846.51	591.00	885.22
आई सी ए आर	2634.73	196.26	2000.37	1181.76
ओ सी एस	254.99	2139.95	155.22	105.37
कुल	**8865.37**	**9148.57**	**8912.48**	**7013.36**

1.2 मदों के अनुरूप व्यय

(राशि लाखों में)

मद	2018-19	2019-20	2020-21	अप्रेल 2021 से दिसम्बर 2021
राज्य निधी (गैर योजना)	4497.96	5879.69	5072.60	3304.42
राज्य निधी (राज्य योजना)	825.65	846.51	580.72	296.34
आई सी ए आर	2634.73	196.26	1765.64	901.88
ओ सी एस	254.99	2139.95	115.68	26.25
कुल	**8865.37**	**9148.57**	**7534.64**	**4528.89**

2. विगत तीन वर्षों की उपलब्धियां

मानक	2019-20	2020-21	2021-22
वर्ष के दौरान कुल छात्र संख्या स्नातक(संबंद्ध निजी महाविद्यालयों सहित)	5001	5000 (लगभग)	5981
विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में कुल नांमाकन			
➢ स्नातक	486	583	862
➢ स्नातकोत्तर	182	224	295
➢ विद्यावाचस्पति	111	102	113
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की संख्या	21	02	13
शोध कार्य पूर्ण			
➢ स्नातकोत्तर	55	33	54
➢ विद्यावाचस्पति	08	16	27
सरकारी व गैर सरकारी नौकरियां प्राप्त करने वाले छात्र	53	75	67
सरकारी/अन्य एजेन्सीयों द्वारा स्वीकृत शोध परियोजनाएं	32	24	09
बीज उत्पादन (क्विंटल)			
➢ प्रजनक	1410.14	1200.45	1234
➢ सत्यापित	2566.38	1956.63	1882
➢ प्रमाणित	319.42	923.5	462
किस्म			
➢ सूचित व अभिजात	04	05	03
➢ पैकेज ऑफ प्रेक्टिस में शामिल	22	18	15
कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण			
➢ कृषक एवं कृषक महिला	372	338	208
➢ ग्रामीण युवा प्रशिक्षणार्थी	08	08	17
➢ प्रसार कार्यकर्त्ता	04	19	08

माननीय कुलपति द्वारा
खजूर अनुसंधान केन्द्र पर पौधरोपण

कुलपति महोदय द्वारा
मशरूम उत्पादन इकाई का उद्घाटन

कृषि महाविद्यालय में 'बूंद-बूंद परियोजना' का
कुलपति महोदय द्वारा उद्घाटन

अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 पर
आयोजित कार्यक्रम में कुलपति महोदय

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर पर
वैज्ञानिकों से चर्चा करते हुए कुलपति महोदय

प्रो. आर.पी. सिंह कुलपति महोदय के द्वारा
विश्वविद्यालय की नसर्री का निरीक्षण

राजभवन में आयोजित कुलपति समन्वयक बैठक

महामहिम राज्यपाल को कृषि मार्गदर्शिका भेंट करते हुए
प्रो. आर.पी. सिंह कुलपति महोदय

महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र संद्य प्रकाशित पुस्तक
के लोकार्पण के अवसर पर

माननीय मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी एवं माननीय कुलपति
विश्वविद्यालय स्थित संग्रहालय का अवलोकन करते हुए

कुलपति महोदय की माननीय कृषिमंत्री श्री लाल चन्द कटारिया
से विश्वविद्यालय की प्रगति पर चर्चा

माननीय मंत्री श्री गोविन्द राम मेघवाल एवं माननीय कुलपति
कक्षा कक्षों के शिलान्यास अवसर पर

:: प्रकाशक ::

निदेशक

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

बीछवाल, बीकानेर-334006 (राजस्थान)

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव